

: ब्रीफ बॉक्स :

स्वतंत्र भारद्वाज को हिरासत में लिए जाने का विरोध

संसद मार्ग थाने के बाहर हिंदू संगठनों का प्रदर्शन; सीजेपी के धरने के बाद पुलिस ने पकड़ा था

नई दिल्ली, एजेंसी। काँकोरोच जनता पार्टी कार्यकर्ता रीशू आजाद के पिता संजय से मारपीट के आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज के समर्थन में दिल्ली में हिंदू संगठन ने प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारी स्वतंत्र भारद्वाज को पुलिस हिरासत में लिए जाने का विरोध कर रहे हैं। यह प्रदर्शन दक्ष चौधरी ने बुलाया है। दक्ष हाई प्रोफाइल लोगों से मारपीट करने और थपड़ लगाने के लिए जाना जाता है। उसने कहैया कुमार को भी थपड़ मारा था।

दक्ष ने बातचीत में कहा कि हमारी मांग यह है कि स्वतंत्र के ऊपर जो धाराएं लगी हैं। जैसे- SC/ST एक्ट, 307 और पाँचसौ एक्ट। यह दबाव में किया गया है।

केरलम में महिला कांग्रेस विधायक के साथ हाथापाई

कार्यकर्ताओं ने हाथ मरोड़ा, धक्का-मुक्की की, 7 लोगों पर एफआईआर

04 तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरल के तिरुवनंतपुरम जिले के चिरयिनकीशु में शुक्रवार रात कांग्रेस विधायक राम्या हरिदास और स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। झड़प का वीडियो भी सामने आया है। इसमें राम्या के साथ कुछ लोग हाथापाई करते दिख रहे हैं।

लोगों ने विधायक का हाथ पीछे की ओर मरोड़ दिया। वीडियो में विधायक अपना हाथ छोड़ने के लिए कहती हैं और सामने मौजूद व्यक्ति से पूछती हैं कि वह कौन है। घटना के बाद विधायक को चिरयिनकीशु तालुक अस्पताल में इलाज कराया।

पुलिस ने उनकी शिकायत पर जिला पंचायत सदस्य सजित मुथंबलम और पार्टी नेता साजद समेत 7 कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और एससी-एसटी एक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, विवाद विधायक के स्टॉफ सदस्य पालयम प्रदीप और ब्लाक पंचायत समिति की बैठक में शामिल होने को लेकर शुरू हुआ।

जस्टिस भुइयां बोले: प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई बेहद दुखद

पुलिस का रवैया बदलना जरूरी; कस्टडी में मौत और फजी एनकाउंटर गंभीर अपराध

07 नई दिल्ली, एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्जल भुइयां ने छत्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, 'जब IPS अधिकारी खुद प्रदर्शनकारियों पर हमला करते दिखाई देते हैं, तो यह बेहद दुखद है।'

उन्होंने यह बात रिटायर आईपीएस अधिकारी यशोवर्धन आजाद की पुस्तक 'पुलिसिंग द रिपब्लिक' के विमोचन कार्यक्रम में कही। जस्टिस भुइयां ने कहा, 'पुलिस से जिस निष्पक्षता की उम्मीद की जाती है, वह कहीं गायब होती दिख रही है। पुलिस को अपना रवैया बदलना होगा। हिरासत में मौत और फजी एनकाउंटर गंभीर अपराध हैं।' जस्टिस भुइयां के इस बयान को पिछले दिनों हुए काँकोरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन से जोड़कर देखा जा रहा है। यहां संसद मार्च के दौरान पुलिस के साथ झड़प में कई प्रदर्शनकारी जखमी हुए थे। पैलेट गन चलाने का आरोप भी लगा है। पुलिस अमीनवीय व्यवहार नहीं कर सकती: सभ्य समाज में हिरासत में मौत बेहद गंभीर अपराध है। किसी भी स्थिति में पुलिस किसी व्यक्ति के साथ यातना या अमानवीय व्यवहार नहीं कर सकती।



त्रिशूर, एजेंसी। केरलम के त्रिशूर जिले में शुक्रवार देर रात एक कार हाईवे पर खड़ी लॉरी से टकरा गई। हादसे में कार सवार 8 इंजीनियरिंग छात्रों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, हादसा रात करीब 11:40 बजे कैपामंगलम के पार्किंग में हुआ।

पुलिस ने बताया कि सभी मृतक तमिलनाडु के डिंडीगुल के एक इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र थे। कार गुरुवापुर से कोडुगल्लूर जा रही थी। इसी दौरान वह महाराष्ट्र नंबर की लॉरी के पीछे जा घुसी। हादसे में 6 छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 को अस्पताल पहुंचने पर मृत घोषित किया गया। टक्कर इतनी जोरदार थी

केरलम में लॉरी से टकराई कार, 8 की मौत



उत्तरवर्जन के पास खड़ी थी लॉरी एफआईआर के मुताबिक, निर्माण कार्य के चलते हाईवे पर बैरिकेड लगाकर ट्रैफिक डायवर्ट किया गया था। इसके बावजूद लॉरी सड़क के दाईं ओर खड़ी थी। पुलिस के मुताबिक, कार तेज रफतार में थी और चालक डायवर्जन बैरिकेड को नहीं देख पाया। शुरुआती जांच में पुलिस ने हादसे के लिए लॉरी चालक की गलती बताई है। त्रिशूर ग्रामीण पुलिस प्रमुख मोहम्मद नदीमुद्दीन ने कहा कि हाईवे पर इस जगह लॉरी खड़ी करना गलत था। हाईवे अधिकारियों और निर्माण कंपनी ने पर्याप्त संकेतक और चेतावनी बोर्ड लगाए थे या नहीं, इसकी भी जांच की जाएगी।

कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। उसमें फंसे छात्रों को निकालने के लिए गाड़ी को काटना पड़ा। स्थानीय लोगों, पुलिस और दमकल बचाव दल ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर शवों को बाहर निकाला। इसके बाद सभी शवों को त्रिशूर मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी में भेज दिया गया।



● महाराष्ट्र के वैभव ने वीडियो बनाकर मैट्स आसान की

● राजस्थान के दिल्लेंदु ने पेड़ों पर क्यूआर कोड लगाकर पढ़ाया

नई दिल्ली, एजेंसी। शिक्षक दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में

देशभर के 48 स्कूल शिक्षकों को नेशनल टीचर अवॉर्ड 2026 से सम्मानित किया। इनमें केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल, आदर्श जनजातीय स्कूल और पीएम श्री स्कूलों के शिक्षक शामिल हैं। इन शिक्षकों ने पढ़ाई को आसान और दिलचस्प बनाने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाए। महाराष्ट्र के वैभव वसंतराव कुलकर्णी ने गणित के मुश्किल टॉपिक समझाने के लिए 700 से ज्यादा वीडियो बनाए, जबकि राजस्थान के दिल्लेंदु सेन ने 500 पेड़ों पर क्यूआर कोड लगाकर बच्चों को पेड़ों के बारे में

महाराष्ट्र में नवरात्रि पर गरबा में मुरिलम बैन

आधार कार्ड जांच और तिलक से पहचान के बाद एंटी; विहिप नियम जारी किए

मुंबई, एजेंसी। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने महाराष्ट्र में नवरात्रि के दौरान गरबा-डांडिया में मुस्लिमों को शामिल नहीं होने देने का फैसला किया है। विहिप ने आयोजकों के लिए नियम तय किए हैं।

इनमें आने वालों के आधार कार्ड की जांच और हिंदू पहचान की पुष्टि के लिए माथे पर तिलक लगाने को कहा गया है। राज्य में नवरात्रि में एक लाख से ज्यादा जगहों पर गरबा होता है। विहिप ने कहा- लव जिहाद रोकने के लिए नियम बनाए गए हैं।

विहिप बोली- नवरात्रि देवी की आराधना का पूर्व: विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता और संयुक्त सचिव श्रीराज नायर ने कहा- नवरात्रि



सिर्फ नाच-गाने का आयोजन नहीं, बल्कि देवी की आराधना का पूर्व है।

पार्वीदियों का मकसद किसी समुदाय का विरोध नहीं है। विहिप इन्हें एहतितायी कदम मानता है। उन्होंने कहा कि नियमों का पालन कराने के लिए गरबा मंडपों में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग

दल के निगरानी दस्ते तैनात रहेंगे।

सार्वजनिक मंडल 25-30 हजार, 40 हजार तक भीड़: महाराष्ट्र में 25 से 30 हजार सार्वजनिक गरबा मंडल हैं। मुंबई महानगर में 3 हजार से ज्यादा हैं। मुंबई, ठाणे और नवी मुंबई में 50 से 70 बड़े मैदानों पर व्यावसायिक आयोजन होते हैं।



लेह, एजेंसी। सिंधु जल संधि के निलंबन के बीच भारत ने लद्दाख में पत्थरों का ऐसा बांध बना दिया है, जिससे लद्दाख के बंजर क्षेत्र को पानी

मिलने के साथ पाकिस्तान की मुसीबत और बढ़ सकती है। पत्थरों का इस्तेमाल कर बनाए इस चेक डैम से सिंधु का जलस्तर 10 फीट ऊपर हो गया है और

राजस्थान, एमपी-यूपी में बारिश नदियां उफान पर, स्कूल बंद

बिहार में बाढ़, 6.65 लाख लोग प्रभावित; केदारनाथ में चारधाम यात्रा रुकी



नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान, मध्यप्रदेश और यूपी में लगातार बारिश हो रही है। म.प्र. के 19 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट है। शिवपुरी-मुरैना समेत 7 जिलों में स्कूल बंद हैं।

राजस्थान के धौलपुर, करौली, सर्वाइ माधोपुर में शनिवार को भारी बारिश का अलर्ट है। जयपुर में

रातभर हुई बारिश के कारण तापमान में 7 डिग्री तक की गिरावट आई है। झालवाड़ में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। वहीं उत्तर प्रदेश में मानसून एक बार फिर एक्टिव है। प्रदेश के 22 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। अगले पांच दिनों तक राज्य के कई हिस्सों में बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है।



गंगा-यमुना समेत 10 से अधिक नदियों के उफान पर होने से प्रदेश के 26 जिलों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। करीब 3.53 लाख लोग प्रभावित हैं, जबकि 17,544 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। वहीं बिहार में भी 16 जिलों में बाढ़ से करीब 5 लाख लोग प्रभावित हैं। गंगा समेत 8

प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। आपदा विभाग के मुताबिक, पटना में गंगा का जलस्तर अब तक के हाइएस्ट फ्लड लेवल को पार कर सकता है।

उत्तराखंड के केदारनाथ में भारी बारिश हो रही है, जिसके चलते यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोका गया है।

देश के 48 टीचर्स को नेशनल अवॉर्ड

मोदी ने पूछा- पब्लिक से कैसे बात करें, टिप्स दें

महिला टीचर का जवाब- कॉन्फिडेंस चाहिए; पीएम की राष्ट्रीय पुरस्कार पाने वाले शिक्षकों से मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम मोदी ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों से शुक्रवार को मुलाकात की। उन्होंने इस बातचीत का एक वीडियो भी जारी किया। और एक्स अकाउंट पर लिखा कि शिक्षक दिवस शिक्षकों के समाज में महत्वपूर्ण योगदान को सम्मान देने का अवसर है। यह दिन भारत के महान शिक्षाविद और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एस. राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि देने के लिए भी मनाया जाता है। आइए, जानते हैं पीएम मोदी ने शिक्षकों से किन-किन मुद्दों पर बात की। इस दौरान उन्होंने एक शिक्षिका से अपने सार्वजनिक भाषण को शाल को बेहतर बनाने का सुझाव मांगा। पीएम मोदी ने कहा कि अगर मैं आपका विद्यार्थी होता और एक कुशल वक्ता बनना चाहता, तो आप मुझे क्या



सुझाव देतीं? मुझे क्या करना चाहिए? इस सवाल के जवाब में अध्यापिका ने कहा कि आपको पहले कॉन्फिडेंस होना है। इसके बाद वहां मौजूद सभी शिक्षिक हंसने लगे। इस खुशनुमा माहौल में पीएम मोदी भी हंसने लगे। इसके बाद शिक्षिका ने कहा हंसते हुए कहा कि सर, आपका और इतना देखकर मुझे ही डाउट हो गया।

शिक्षिका ने अच्छा वक्ता बनने के लिए क्या मंत्र दिया?

इसके बाद शिक्षिका ने कहा कि अच्छी बोलने की क्षमता केवल जन्मजात गुण नहीं है, बल्कि इसे अभ्यास से बेहतर किया जा सकता है। उन्होंने आत्मविश्वास को सबसे पहली जरूरत बताया और कहा कि लगातार अभ्यास करने से आत्मविश्वास आता है।

तमिलनाडु में फोन बैन होने से युवा मंदिरों से दूर

श्रद्धालु 20% तक घटे; 52 मंदिरों में 1 सितंबर से मोबाइल पर रोक



चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के कांचीपुरम स्थित देवराजस्वामी अथि वरदराज मंदिर में मोबाइल बैन के बाद नजारा बदल गया है। ध्वजसंभ के पास, जहां पहले युवा सेल्फी लेते दिखते थे, अब ज्यादातर बुजुर्ग श्रद्धालु नजर आ रहे हैं।

मोबाइल जमा करने वाले काउंटर पर पहले दिन लंबी लाइन थी, लेकिन अब वहां भी मिडिल एज और बुजुर्गों की संख्या ज्यादा है। इससे संकेत मिल रहा है कि कई युवा मंदिर आना कम कर रहे

मंदिर प्रशासन बोला- मद्रास हाईकोर्ट ने बैन लगाया, हम सिर्फ लागू कर रहे: देवराजस्वामी मंदिर के एग्जीक्यूटिव ऑफिसर आर. गणेशन ने फुटफॉल घटना की बात मानी, लेकिन फैसले का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि मंदिरों में भक्तों की कमी मुख्य रूप से युवाओं में है हमें अफसोस है, लेकिन मंदिर की पवित्रता इस्टाब्लिशमेंट के लिए कम नहीं की जा सकती। यह बैन मद्रास हाईकोर्ट के दिसंबर 2022 के आदेश के तहत है, हम सिर्फ उसे लागू कर रहे हैं।

हैं। यह स्थिति सिर्फ वरदराज मंदिर की नहीं है। राज्य के कई बड़े मंदिरों में भी ऐसा ही असर दिख रहा है। मंदिर प्रशासन के मुताबिक नियम लागू होने के बाद रोजाना संख्या 20% तक कम हुआ है। कमी सबसे ज्यादा युवाओं में दिख रही है, जो पहले दर्शन के साथ-साथ फोटो,

वीडियो और सोशल मीडिया कंटेंट के लिए भी आते थे। दरअसल, तमिलनाडु के 52 बड़े मंदिरों में 1 सितंबर से मोबाइल फोन पर बैन लागू किया गया है। मंदिर में प्रवेश से पहले स्मार्टफोन काउंटर पर जमा करना होगा। इसके लिए हर फोन पर 5 रुपये चार्ज देना होगा।

सिंधु जल संधि के निलंबन के बीच भारत का बड़ा कदम

लद्दाख में बिना सीमेंट-कंक्रीट का बांध तैयार; 10 फीट तक बढ़ा जलस्तर

इससे चार करोड़ लीटर पानी लद्दाख के सूखे खेतों को मिल सकेगा। यहां बता दें कि सिंधु जल समझौते के तहत सिंधु नदी का पूरा पानी पाकिस्तान चला जाता था और लद्दाख की जमीन सूखी ही रह जाती थी। पहलूगाम हमले के बाद भारत ने सिंधु जल समझौते को निलंबित कर दिया था। इससे पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपना दुखड़ा रो रहा है। हाल ही में एससीओ सम्मेलन में भी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस समझौते का मुद्दा उठाया था।

लेह के लिए बनाया पत्थरों का बांध: लेह जिले के उप्शी इलाके में बने इस चेक डैम से अब करीब चार करोड़ लीटर पानी का संग्रह संभव हो सकेगा। इस पानी को सिंचाई नहर के जरिए उन खेतों तक पहुंचाया जा रहा है, जो लंबे समय से पानी की कमी से जूझ रहे थे। इस बांध में किसी तरह का कंक्रीट या सीमेंट का इस्तेमाल नहीं हुआ है। केवल प्राकृतिक पत्थरों से इस चेक डैम को बनाया गया है। लद्दाख के किसान इस डैम के पानी का इस्तेमाल कर सकेंगे।

अब तक सूखे रहते थे खेत: लद्दाख के किसानों की सबसे बड़ी विडंबना यह थी कि उनके पास दुनिया की प्रमुख नदियों में से एक सिंधु मौजूद थी, लेकिन उसका पानी खेतों तक पहुंचाना संभव नहीं था। सिंधु नदी गहरी घाटियों के बीच काफी नीचे बहती है, ऐसे में बुआई के दौरान पंपों के जरिए नदी से पानी निकालना आसान नहीं था। अब यह डैम बनने से जलस्तर करीब 10 फीट ऊंचा हो गया है और इससे पानी को खेतों तक पहुंचाना संभव हो पा रहा है। भले ही इससे बिजली उत्पादन संभव नहीं है, पर लद्दाख के किसानों के लिए यह योजना वरदान साबित हो सकती है।

अब 36 और परियोजनाओं की तैयारी: उप्शी के चेक डैम की तर्ज लद्दाख प्रशासन सिंधु नदी और दूसरे जल स्रोतों पर इसी तरह के बांधों विकसित करने की दिशा में काम कर रहा है। लद्दाख प्रशासन ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय को 36 चेक डैम का प्रस्ताव भेजा है। इन परियोजनाओं की अनुमानित लागत 56 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है।

चांद पर पहुंच गए, लेकिन हाथ से मैला ढोना खत्म नहीं हुआ

● बॉम्बे हाई कोर्ट की कड़ी टिप्पणी

मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने देश में व्याप्त एक ऐसी कुप्रथा की तरफ ध्यान देने के लिए कहा है जो सालों से चल रही है। हाई कोर्ट ने कहा कि हम चांद पर पहुंचने का दावा तो करते हैं, लेकिन अब तक हाथ से मैला ढोने की प्रथा को खत्म नहीं कर पाए। बॉम्बे HC ने कहा कि भारत चांद के अनछुए हिस्से तक पहुंचने का दावा तो करता है, लेकिन जाति व्यवस्था की आड़ में उसके कुछ नागरिक अब भी इसानी गरिमा के खिलाफ काम करने को मजबूर हैं।

चांद पर पहुंचे, लेकिन हाथ से मैला ढोना खत्म नहीं: जस्टिस भारती डांगरे और मंजूषा देशपांडे ने कहा, ‘21वीं सदी में हम चांद के दूसरी तरफ पहुंचने का दावा करते हैं। फिर भी, कड़वी सच्चाई यह है कि हमारे देश में जाति व्यवस्था जैसी सामाजिक बुराई अब भी मौजूद है, जो हमारे कुछ नागरिकों को ऐसा काम करने के लिए मजबूर करती है जो इसानी



गरिमा के खिलाफ है। हाई कोर्ट ने आगे कहा, ‘हालांकि संविधान सभी नागरिकों को कानून के सामने समानता और कानून का समान संरक्षण देता है, लेकिन संविधान को अपनाए हुए 75 साल बीत जाने के बाद भी हमारा देश उस सामाजिक बुराई से मुक्त नहीं हो पाया है जिसने हमें सदियों से परेशान कर रखा है।’ हाई कोर्ट ने ये टिप्पणी हाल ही में ‘मैनुअल स्कैवेंजर्स के

तौर पर रोजगार पर रोक और उनके पुनर्वास अधिनियम, 2013’ को लागू करने में राज्य/स्थानीय अधिकारियों की विफलता के खिलाफ दायर याचिका पर की। हाई कोर्ट ने 13 अगस्त को इस मामले में हुई सुनवाई के फैसले में ये बात कही, जिसे गुरुवार, 3 सितंबर को अपलोड किया गया।

सुप्रीम कोर्ट लगा चुका है रोक: हाई कोर्ट

ने कहा, ‘हाथ से मैला ढोना एक ऐसी प्रथा है, जो समुदाय के एक खास वर्ग को पीढ़ियों से इस अमानवीय काम को करने के लिए मजबूर करती है, जबकि सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों और कानूनों में इस पर रोक लगाई गई है।’ सरकारी आदेशों में राज्य के फैसले को रद्द कर दिया और कहा कि प्राइवेट कॉन्ट्रैक्टर/सेक्टर द्वारा काम पर रखे गए जिन सफाई कर्मचारियों की मौत हो गई, उनके परिवार राज्य सरकार से 30 लाख रुपये का मुआवजा पाने के हकदार होंगे (जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था), और राज्य यह रकम संबंधित नियोक्ताओं से वसूल सकता है।

बॉम्बे हाई कोर्ट में यह याचिका एक मजदूर यूनियन ‘श्रमिक जनता संघ’ से जुड़े राजू माधवे और लेखक श्रेयस पांडे के साथ मिलकर दायर की थी। राजू माधवे, सूरज के पिता थे, जिनकी 2022 में मुंबा की एक हाउसिंग सोसाइटी में सेप्टिक टैंक की सफाई करते समय मौत हो गई थी। सीनियर वकील गायत्री सिंह ने दलील दी कि त्क्रम में मुआवजा देने की जिम्मेदारी राज्य/स्थानीय अधिकारियों के बजाय प्राइवेट कॉन्ट्रैक्टर/नियोक्ताओं पर डाली गई

थी। राज्य के वकील ने पहले कहा था कि 36 जिलों को हाथ से मैला उठाने की प्रथा (मैनुअल स्कैवेंजिंग) से मुक्त घोषित कर दिया गया है और अगस्त 2023 में कलेक्टरों ने इसके सर्टिफिकेट जमा कर दिए थे, लेकिन अगस्त 2024 की सुनवाई में उन्होंने कहा कि यह स्थिति सर्टिफिकेट जारी होने की तारीख के हिसाब से थी। हाथ से मैला उठाने की प्रथा के जारी रहने के उदाहरण देते हुए याचिकाकर्ताओं ने कहा कि रिकॉर्ड के उलट, राज्य ने 81 मामलों में 10 लाख रुपये का मुआवजा दिया है। जजों ने कहा, ‘इस तरह, यह नतीजा निकाला जा सकता है कि राज्य इस सामाजिक बुराई, यानी हाथ से मैला उठाने की प्रथा को पूरी तरह खत्म करने में सफल नहीं रहा है। हालांकि राज्य ने कुछ हद तक नियमों का पालन किया है, लेकिन यह देखकर दुख होता है कि राज्य की एजेंसियां आधे-अधूरे मन से कोशिशें कर रही हैं।’ जजों ने सफाई कर्मचारी के तौर पर काम करने वाले उन पांच मृत लोगों के आश्रितों को भी 30 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया है, जिनका मामला याचिकाकर्ताओं ने उठाया।

नोएडा एयरपोर्ट पर अनुमान से 8 गुना कम पहुंचे यात्री

● कार्गो सेवा पर लगा ब्रेक

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जेवर में बने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यात्रियों की संख्या शुरुआती अनुमान के मुकाबले आठ गुना तक कम है। 15 जून से 31 जुलाई तक एयरपोर्ट से कुल 97,115 यात्रियों ने सफर किया, जबकि अकेले जुलाई महीने में यह आंकड़ा 76,593 रहा। नोएडा एयरपोर्ट पर बीते 15 जून 2026 को यात्री विमान सेवा शुरू की गई थी।

परिचालन के बाद यात्रियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिली, लेकिन यह वृद्धि अनुमान की तुलना में काफी धीमी है। एयरपोर्ट शुरू होने से पहले हर महीने करीब छह लाख यात्रियों के सफर करने का अनुमान लगाया गया था। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) द्वारा हाल में



जारी आंकड़ों से संकेत मिल रहे हैं कि एयरपोर्ट के परिचालन में आगे और भी धीमी वृद्धि के आसार हैं। शुरुआती चरण में सीमित उड़ानों को यात्री संख्या कम रहने की प्रमुख वजह माना जा रहा है। हालांकि, आने वाले समय में नई उड़ानें और नए रूट जुड़ने पर यात्रियों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। एयरपोर्ट से फिलहाल 15 शहरों के लिए उड़ानें मिल रही हैं। प्रतिदिन रनवे से 32 विमान लैंड और टेकऑफ कर रहे हैं। एयरपोर्ट से अभी सिर्फ घरेलू उड़ानें ही शुरू हो पाई हैं। फिलहाल, अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल का कार्य निर्माणाधीन है। अधिकारियों का

दावा है कि यह काम नवंबर तक पूरा होने की उम्मीद है। इसी वर्ष अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू करने की तैयारी चल रही है। ऐसे में उड़ान शुरू होने से यात्रियों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है।

कार्गो सेवा भी नहीं उड़ी: नोएडा एयरपोर्ट को शुरू हुए करीब ढाई महीना बीत चुका है। 17 जून को पहली कार्गो फ्लाइट चेन्नई से उड़ान भरकर नोएडा पहुंची थी। इसके बाद से एयरपोर्ट से दूसरी कोई कार्गो फ्लाइट नहीं उड़ी है। पिछले दिनों कार्गो बनाने वाली कंपनी ने पशुओं के आवागमन को नए अवसर मिलेंगे।

समझौता किया था। फिलहाल इससे जुड़ी भी कोई कार्गो फ्लाइट नहीं उड़ पाई है।

पहली यात्री उड़ान में किसानों ने किया था सफर: गौरतलब है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 15 जून को लखनऊ के लिए रवाना हुई पहली उड़ान सिर्फ यात्री सेवा की शुरुआत नहीं थी, बल्कि जेवर के उन किसानों के लिए भावनात्मक पल भी बन गई थी, जिन्होंने एयरपोर्ट के लिए अपनी जमीनें दी थी। इस ऐतिहासिक उड़ान में यात्री बनकर पहुंचे किसान लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर उतरे तो चेहरों पर गर्व, खुशी और आंखों में नमी साफ दिखी। किसानों ने साफ कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने उनके गांवों को नई पहचान दी है और सीएम योगी ने वादा निभाकर उनके सपनों को साकार किया है। एयरपोर्ट से आने वाली पीढ़ियों को नए अवसर मिलेंगे।

चिलिमे सुरंग में फंसे लोगों के लिए बचाव अभियान, भारतीय टीम जुटी; मृतकों का आंकड़ा 1344 पहुंचा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में बाढ़ के बाद हालात बदतर बने हुए हैं। हर दिन के साथ हताहतों की संख्या बढ़ती जा रही है, जबकि अभी भी हजारों लोग लापता हैं। वहीं, इस भीषण त्रासदी को झेलने वाले अब मानसिक रूप से पीड़ा झेल रहे हैं, जिसमें बच्चे से लेकर बड़े भी शामिल हैं। नेपाल के दार्चुला जिले में शुक्रवार को भारी भूस्खलन के बाद चोलानी नदी का प्रवाह बाधित हो गया। नदी का रास्ता बंद होने से आसपास के क्षेत्रों में खतरा बढ़ गया है। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने निचले इलाकों में अलर्ट जारी किया है। लोगों को नदी के आसपास और निचले क्षेत्रों में सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

चिलिमे सुरंग में भारतीय टीम क्या कर रही है: भारतीय सुरंग बचाव दल ने शुक्रवार को चिलिमे सुरंग के अंदर अभियान चलाया। टीम का प्रयास सुरंग के पानी और मलबे से प्रभावित हिस्सों तक पहुंचने और वहां फंसे लोगों की तलाश



करने का है। भारी उपकरणों को सुरंग तक पहुंचाने और बचाव अभियान को गति देने के लिए एक अस्थायी ट्रैक भी तैयार किया जा रहा है। टीम ने सुरंग के भीतर सुखा रस्सियां लगाई हैं, जबकि पानी और मलबे से बाधित हिस्सों में फ्लोट और पंप भी को तैनात किए जा रहे हैं। रसुवा जिले के स्याबुबेसी गांव के पास स्थित चिलिमे जलविद्युत परियोजना का इलाका बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुआ था।

सुरंग के कई हिस्से पानी और मलबे से बाधित हो गए थे, जिसके कारण वहां पहुंचना चुनौतीपूर्ण बना हुआ था। अब भारतीय टीम सुरंग के अंदर आगे बढ़कर

प्रभावित हिस्सों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है, ताकि खोज और बचाव अभियान को और प्रभावी बनाया जा सके। नेपाल में 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ के बाद राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। भारतीय सरकार दल कार्यों में जुटा है। इसी क्रम में विशेष भारतीय सुरंग बचाव टीम ने चिलिमे सुरंग में अभियान तेज कर दिया है। वहीं शुक्रवार को नेपाल सरकार ने एक रिपोर्ट जारी की जिसमें बताया गया कि बाढ़ से 32 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। इससे सड़कें, पुल, स्कूल और स्वास्थ्य केंद्रों को नुकसान पहुंचा है। सरकार की शुरुआती रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। वहीं इस त्रासदी में मरने वालों की संख्या शुक्रवार को बढ़कर 1344 हो गई। प्रभावित इलाकों से और शव मिलने के बाद मृतकों की संख्या बढ़ी है।

सऊदी अरब को अमेरिका की सौगात पांच अरब डॉलर के हथियार सौदे को मंजूरी; जेडीएएम किट-बर्मा से खाड़ी में बढ़ेगी ताकत

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका ने सऊदी अरब को करीब 5 अरब डॉलर के हथियार और सैन्य उपकरण बेचने की संभावित डील को मंजूरी दे दी है। प्रस्तावित बिस्त्री में सटीक निशाना लगाने वाली जेडीएएम-ईआर प्रणालियां, हजारों बम और उनसे जुड़े उपकरण शामिल हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने इसकी जानकारी कांग्रेस को दी है।

प्रस्तावित हथियार सौदे में क्या-क्या शामिल है: अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, सऊदी अरब ने 5,004 केएम्यू-572 जेडीएएम गाइडेड फिट और 5,000 केएम्यू-556 जेडीएएम गाइडेड फिट की मांग की है। इसके अलावा 5,004 बीएल्यू-111 500-पाउंड सामान्य उपयोग वाले बम और 5,000 बीएल्यू-117 2,000-पाउंड बम भी प्रस्तावित पैकेज का हिस्सा हैं। डील में फ्यूज सॉफ्ट्वेयर, टारगेट डिटेक्टर, कंट्रोलर, सोयर पार्ट्स, रॉपेट उपकरण और अन्य जरूरी सामान भी शामिल होंगे। इसके साथ अमेरिकी सरकार और ठेकेदारों की इंजीनियरिंग, तकनीकी और लॉजिस्टिक सेवाएं भी प्रस्तावित हैं।

अमेरिका सऊदी अरब को ये हथियार क्यों देना चाहता है: अमेरिकी



विदेश विभाग का कहना है कि इस संभावित बिस्त्री से सऊदी अरब की सुरक्षा मजबूत होगी और खाड़ी क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता तथा आर्थिक प्रगति को बढ़ावा मिलेगा। अमेरिका के मुताबिक, इससे सऊदी अरब की मौजूदगी और भविष्य की क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने की क्षमता बेहतर होगी। विभाग ने कहा कि इससे सऊदी अरब की अपनी जमीन की रक्षा करने की क्षमता बढ़ेगी और अमेरिकी तथा खाड़ी क्षेत्र के सहयोगी देशों की सेनाओं के साथ उसकी सैन्य प्रणालियों की बेहतर तालमेल क्षमता विकसित होगी।

क्या इस सौदे से क्षेत्र का सैन्य संतुलन बदलेगा: अमेरिकी आकलन के मुताबिक, प्रस्तावित लेनदेन से क्षेत्रीय सैन्य संतुलन को कोई बदलाव नहीं होगा। अमेरिका का यह भी कहना है कि सऊदी अरब इन हथियारों और सेवाओं को अपनी सैन्य व्यवस्था में आसानी से शामिल कर सकेगा। इस संभावित बिस्त्री के लिए मुख्य ठेकेदार बोइंग होगा, जिसका मुख्यालय वर्जीनिया में है। अमेरिकी सरकार ने कहा कि फिलहाल इस सौदे के साथ किसी ऑफसेट समझौते की जानकारी नहीं है।

क्या इस हथियार सौदे का पश्चिम एशिया के तनाव से भी संबंध है: यह संभावित हथियार सौदा ऐसे समय सामने आया है, जब पश्चिम एशिया में सुरक्षा स्थिति को लेकर चिंताएं बढ़ी हुई हैं। क्षेत्र में अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष, सऊदी अरब को निशाना बनाकर हुए हमलों और यमन के हूती विद्रोहियों की गतिविधियों ने खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाई है।

ऐसे माहौल में सऊदी अरब अपनी जमीन और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को संभावित हवाई तथा मिसाइल खतरों से बचाने की क्षमता मजबूत करना चाहता है।

मॉस्को जाने पर गिरफ्तारी का खतरा, फिर भी तैयार थे जेलेंस्की के चीफ ऑफ स्टाफ बुदानोव

कीव, एजेंसी। इस वर्ष के शुरू में में जब शांति वार्ता का एक दौर खत्म हुआ, तो यूक्रेनी वार्ताकारों को रूसियों की तरफ से एक हैरान करने वाला प्रस्ताव मिला। इसमें कहा गया कि यूक्रेनी अधिकारी चाहें तो मॉस्को की उड़ान पकड़ सकते हैं और वार्ता जारी रख सकते हैं। इसका फायदा यह था कि राष्ट्रपति ज़्वांस्लिमिर पुतिन से मुलाकात की संभावना थी और नुकसान यह था कि उन्हें गिरफ्तार भी किया जा सकता था, या उससे भी बुरा कुछ हो सकता था। प्रस्ताव ने इससे पहले जिनेवा में वार्ता के दौरान यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले किरिलो बुदानोव के सामने एक गंभीर असमंजस उत्पन्न कर दिया। रूस ने उन पर आतंकवाद के आरोप लगा रखे हैं, जो तब लगाए गए थे जब वह यूक्रेन के

सैन्य जासूसी प्रमुख थे। लेकिन वार्ता के माध्यम से शांति हासिल करने के लिए वह कोई भी अप्रत्याशित कदम उठाने के लिए तैयार थे। कभी रूस से डक्टर मुकाबला करने वाले लेफ्टिनेंट जनरल बुदानोव मौजूदा समय में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के चीफ ऑफ स्टाफ हैं और किसी भी कीमत पर शांति चाहते हैं। बुदानोव का कहना है, बातचीत आज नहीं तो कल किसी नतीजे पर जरूर पहुंचेगी। आप पूरी जिंदगी युद्ध नहीं लड़ सकते। यूक्रेनी सरकार में नंबर दो की हैसियत रखने वाले बुदानोव ने एक इंटरव्यू में कहा, मैं युद्ध खत्म करने वाले किसी भी कदम के लिए तैयार हूं। बशर्तें यूक्रेन को इसकी शर्तें मंजूर हों। उन्होंने मॉस्को दौरे के प्रस्ताव के बारे में खुलासा किया, जिसकी रिपोर्ट

पहले सामने नहीं आई थी। यही नहीं यह दौरान भी परवान नहीं चढ़ सका था, और आगे बातचीत ठप हो गई थी। वार्ता फिर शुरू होने की उम्मीद : जंग लगातार जारी रहने के बीच बुदानोव ने सितंबर के आखिर तक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता में शांति वार्ता फिर शुरू होने की उम्मीद जताई है। विश्लेषकों का कहना है, शांति की पहल की बुदानोव की मंशा उनके व्यक्तित्व के दो अलग पहलुओं को सामने लाती है। वह एक ऐसे सैनिक के तौर पर अपनी पहचान बनाए रखना चाहते हैं जिसने रूस के खिलाफ जमकर जंग लड़ी।

पूर्वी यूक्रेन में 2014 में लंबे समय से सुलगते रहे युद्ध के दौरान बुदानोव ने दुश्मन की सीमा के पीछे जाकर कमांडो छापों का नेतृत्व किया था।

रूस-यूक्रेन जंग में बढ़ी हलचल कीव के बाद मॉस्को भी जाएंगे अमेरिकी दूत

कीव, एजेंसी। अमेरिका के अधिकारी स्टीव विटकाॅफ और जरेड कुशनर इस सप्ताहांत मॉस्को जाएंगे। इसके बाद वे कीव जाएंगे। उनका दौरा अगले सप्ताह की शुरुआत तक चल सकता है। अमेरिका के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। वह अधिकारी सार्वजनिक रूप से बोलने के लिए अधिकृत नहीं था। इसलिए उसने नाम न बताने की शर्त पर बात की। अधिकारी ने दोनों जगहों पर जाने के सही समय की जानकारी नहीं दी। यह दोनों अमेरिकी अधिकारियों की कीव की पहली यात्रा होगी। अमेरिका युद्ध खत्म कराने के लिए बातचीत की कोशिश कर रहा है। लेकिन अब तक इन कोशिशों से शांति का रास्ता नहीं निकल पाया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शुक्रवार को कहा कि वह विटकाॅफ और कुशनर के रविवार को कीव पहुंचने की उम्मीद कर रहे हैं। इससे पहले दोनों अधिकारी मॉस्को जाएंगे। जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर कहा कि बातचीत के दौरान यूक्रेन हवाई हमले नहीं करेगा। उन्होंने रूस से भी ऐसा ही करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इससे बातचीत सुस्थित तरीके से हो सकेगी। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, अमेरिकी पक्ष की पिछली राजनयिक यात्राओं की तरह हम यह सुनिश्चित करेंगे कि रूसी हवाई क्षेत्र सामान्य रूप से काम करता रहे, ताकि बातचीत के लिए आने वाले अधिकारी सुरक्षित पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि यूक्रेन को उनकी सुरक्षा की चिंता है। रूस की नहीं। रूस के राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने शुक्रवार को अमेरिकी अधिकारियों के मॉस्को दौरे की खबरों की पुष्टि करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि अगर ऐसी कोई बैठक होती है, तो मीडिया को इसकी जानकारी दी जाएगी। कुशनर और विटकाॅफ इससे पहले जनवरी में मॉस्को गए थे।

संक्षिप्त समाचार

बेंगलुरु में बड़ी कार्रवाई, खरगे की रैली के बाद शुद्धिकरण को लेकर उत्तराखंड भाजपा नेताओं पर एफआईआर दर्ज



बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु में उत्तराखंड भाजपा सदस्यों और अन्य लोगों के खिलाफ एक ‘जिरो एफआईआर’ दर्ज की गई। यह मामला कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की रैली के बाद एक जगह पर कथित ‘शुद्धिकरण’ किए जाने से जुड़ा है।छा एक अधिकारी ने बताया कि यह मामला 31 अगस्त को विधान सभा पुलिस स्टेशन में कांग्रेस के एसटी विभाग के पूर्व उपध्यक्ष टीआर रामप्पा की शिकायत पर दर्ज किया गया। अधिकारियों ने बताया कि ‘जिरो एफआईआर’ एक ऐसा मामला है जिसे किसी भी पुलिस स्टेशन में दर्ज किया जा सकता है, चाहे अपराध कहीं भी हुआ हो या पुलिस स्टेशन का अधिकार क्षेत्र कुछ भी हो। एफआईआर के अनुसार, शिकायतकर्ता ने बताया कि आठ अगस्त को राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने उत्तराखंड के हल्द्वानी स्थित रामलीला मैदान में एक बड़ी जनसभा में हिस्सा लिया और उसे संबोधित किया। जनसभा के बाद भाजपा के कुछ सदस्यों और पदाधिकारियों ने कथित तौर पर 10 अगस्त को उसी जगह पर एक तथाकथित ‘शुद्धिकरण अनुष्ठान’ आयोजित किया। आरोप लगाया गया है कि इस अनुष्ठान का उद्देश्य कथित तौर पर आपत्तिजनक, अपमानजनक और जातिवादी सोच दिखाना था कि अनुसूचित जाति समुदाय के सदस्य मल्लिकार्जुन खरगे की मौजूदगी ने उस जगह को ‘अशुद्ध’ कर दिया था। इसलिए उस जगह को अनुष्ठान के जरिये शुद्ध करने की जरूरत थी।

त्रिपुरा में हथियार डाल चुके

उग्रवादी समूहों ने नहीं मानी

बात, 72 घंटे का जाम शुरू

अगरतला. एजेंसी। त्रिपुरा में हथियार



डाल चुके सात उग्रवादी समूहों ने शुक्रवार को 11 मांगों को पूरा करवाने के लिए असम-अगरतला नेशनल हाईवे पर 72 घंटे का जाम शुरू कर दिया है। उन्होंने त्रिपुरा सरकार की उस अपील को ठुकरा दिया, जिसमें उनसे अपनी मांगें पूरी होने तक सड़क और रेल मार्ग की नाकेबंदी हटाने को कहा गया था। नेशनल लिबरेशन फ्रंट आफ त्रिपुरा (ओरिजिनल), एनएलएफटी (परिमल देवबर्मा), आल त्रिपुरा टाइगर फोर्स, एनएलएफटी (नयन बाश्री), ज्वाइंट एक्शन रिहैबिलिटेशन कमिटी, ज्वाइंट एक्शन कमिटी और आल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (ओल्ड) के सदस्यों और समर्थकों ने अपने पहले से घोषित कार्यक्रम के तहत शुक्रवार सुबह जाम शुरू किया। प्रदर्शनकारी बारमुरा के चंद्र साधुपदा इलाके में जमा हुए और नेशनल हाईवे को जाम कर दिया। विरोध प्रदर्शन के दौरान टायर भी जलाए गए, जिससे गाड़ियों की आवाजाही लगभग ठप हो गई और बड़ी संख्या में गाड़ियां अलग-अलग जगहों पर फंसी रह गईं। एनएलएफटी नेता थामस त्रिपुरा ने कहा कि ये समूह लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं और दावा किया कि केंद्र और त्रिपुरा सरकार के साथ हुए कई समझौतों को लागू नहीं किया गया है।

असम में 1.4 करोड़ रुपये के नेशनल

याबा टैबलेट और म्यांमार की

सिगरेट जब्त, सात गिरफ्तार

गुवाहाटी, एजेंसी। असम में अलग-अलग अभियानों के दौरान 1.4 करोड़ रुपये की याबा टैबलेट और 1.2 लाख से अधिक म्यांमार की सिगरेट के साथ सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया याबा टैबलेट्स श्रीभूमि जिले में जब्त की गईं, वहीं तस्करों की गई सिगरेट कछार जिले में जब्त की गईं। याबा टैबलेट मादक पदार्थ होता है। इस पर भारत में प्रतिबंध है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इंटरनेट मीडिया पोस्ट में कहा, पुलिस ने दो वाहनों को रोका और 14 हजार याबा टैबलेट्स जब्त कीं। जिनकी कीमत 1.4 करोड़ रुपये है। पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने भी इंटरनेट मीडिया पोस्ट में बताया कि कछार जिले में एक और अभियान चलाया गया। पुलिस ने असम-मेघालय सीमा पर डिगोकंहाल चेक पोस्ट पर एक वाहन को रोका और छिपाई गई 1,20,000 बर्मीज सिगरेटें जब्त कीं। इस मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है।

जन-विश्वास अभियान के तहत जिलास्तरीय शिविर मझौली में सांसद-विधायक ने क्षेत्रीय समस्याओं पर अधिकारियों को दिए निर्देश

तीन समूहों को 18 लाख के स्वीकृति आदेश के साथ स्वास्थ्य शिविर, पौधरोपण और साइकिल वितरण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत मझौली में आयोजित शिविर में ग्रामीणों की स्थानीय समस्याओं पर सीधी सुनवाई हुई बिजली, सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और विस्थापन से जुड़े सामने आए अधिकारियों ने कई प्रकरणों का मौके पर निराकरण किया जबकि शेष मामलों के लिए संबंधित विभागों को कार्रवाई के निर्देश दिए गए इस दौरान तीन स्व-सहायता समूहों को 18 लाख रुपये के स्वीकृति आदेश, लाडली लक्ष्मी, संबल एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को स्वीकृति आदेश प्रदान किए गए। स्वास्थ्य शिविर में ग्रामीणों की जांच एवं परामर्श किया गया, जबकि आईटीआई परिसर में पौधरोपण और बच्चों को साइकिल वितरण भी हुआ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार सीधी जिले में 7



अगस्त 2026 से 8 जनवरी 2027 तक मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान चलाया जा रहा है अभियान के तहत सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण और लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत सेवाओं का समय-सीमा में प्रदाय सुनिश्चित करने के साथ शासन की योजनाओं को पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने पर जोर है सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने क्षेत्र में बिजली की समस्या को देखते हुए विद्युत

विभाग को ट्रंसफ़ॉर्मर लगाने का कार्य शीघ्र पूरा करने को कहा। उन्होंने जल जीवन मिशन के कार्यों में गति लाने तथा पाइपलाइन का काम पूरा होने के बाद क्षतिग्रस्त सड़कों को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए विस्थापन के संबंध में उन्होंने कहा कि प्रक्रिया पूरी होने तक प्रभावित ग्रामीणों को स्कूल, स्वास्थ्य, सड़क और अन्य मूलभूत सुविधाएं मिलती रहनी चाहिए उन्होंने विस्थापन की राशि का



सावधानीपूर्वक उपयोग करने और ठगी से बचने की सलाह दी सांसद ने मझौली क्षेत्र के स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध करने पर भी जोर दिया। उन्होंने महुआ के लड्डू-बिस्कुट और कटहल चिप्स जैसे उत्पादों की बेहतर मार्केटिंग तथा महिलाओं को आजीविका गतिविधियों से जोड़ने की बात कही विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने कहा कि अभियान का उद्देश्य शासन और नागरिकों के बीच सीधे संवाद के

जरिए समस्याओं का समाधान करना है। उन्होंने आधार कार्ड में नाम एवं अन्य विवरण की अशुद्धियों के सुधार के लिए अभियान चलाने की आवश्यकता बताई, ताकि हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने में परेशानी न हो उन्हों ने सम्मान निधि योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने, बांस रोपण के माध्यम से ग्रामीणों को आजीविका से जोड़ने, आपदा से हुए नुकसान का सर्वे कर

मुआवजा दिलाने तथा क्षेत्र में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। स्कूलों का समय पर संचालन करने के निर्देश भी दिए कलेक्टर विकास मिश्रा ने अधिकारियों से कहा कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का औपचारिक निराकरण करने के बजाय शिकायतकर्ता की संतुष्टि को प्राथमिकता दी जाए। लोक सेवा गारंटी के लंबित मामलों को निर्धारित समय-सीमा में निपटाने और उनकी नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को छोटे-छोटे कामों के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें अधिकारी संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ काम करें मझौली के शासकीय आईटीआई कॉलेज परिसर में आयोजित कार्यक्रम में लक्ष्मी समूह पारिस्ली, आदि शक्ति समूह गजरी और रमाबाई अंबेडकर समूह पांड को 6-6 लाख रुपये के स्वीकृति आदेश दिए गए।

भजनों एवं भक्तिगीतों पर श्रद्धालु भक्तिभाव में झुमते नजर आए। तबला वादक हिमांशु उर्मिलिया, परकुशन पर विकास पाण्डेय तथा कीनोई पर सुमित मोर्य ने शानदार संगीत संगत प्रदान की। कलाकारों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रोताओं को देर रात तक बांधे रखा कार्यक्रम का मंच संचालन रोशनी प्रसाद मिश्र ने किया, जबकि कार्यक्रम संयोजक विभु आदर्श मिश्र रहे। मंच संचालन के दौरान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व तथा भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं उनके संदेशों पर प्रकाश डाला गया इस अवसर पर विश्वबन्धुधर द्विवेदी, पंकज पाण्डेय, पुष्पराज सिंह, हीरालाल सिंह चंदेल सहित जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, कला एवं संस्कृति प्रेमी तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे श्रीकृष्ण जन्म के शुभ क्षण के नजदीक आते ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर पहुंच गया जन्मोत्सव के साथ ही पूरा परिसर श्रीकृष्ण के जयघोष एवं नंद के घर आनंद भयो के स्वरों से गूंज उठा श्रद्धालुओं ने बाल गोपाल के दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा सुख-समृद्धि की कामना की।

तेलंगाना की तर्ज पर हो जातिगत जनगणना, ओबीसी का अलग कॉलम जरूरी : कुंवर सिंह वैज्ञानिक कोडिंग और विशेषज्ञ समिति गठित करने की मांग, कॉलम नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। ओबीसी कांग्रेस के राष्ट्रीय समन्वयक एवं किसान नेता कुंवर सिंह पटेल ने केंद्र सरकार से जातिगत जनगणना में ओबीसी के लिए स्पष्ट अलग कॉलम रखने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना केवल संख्या दर्ज करने तक सीमित न रहकर सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगारिक और राजनीतिक स्थिति के आंकड़ों को सामने लाने वाली होनी चाहिए। उन्होंने इसे तेलंगाना में अपनाई गई प्रक्रिया की तर्ज पर कराने की मांग की कुंवर सिंह पटेल

ने कहा कि प्रत्येक जाति के लिए विशिष्ट वैज्ञानिक कोड निर्धारित किया जाए। विशेषज्ञों के सत्यापन के बाद जातियों के प्रमाणित पर्यायवाची, वैकल्पिक एवं क्षेत्रीय नाम तथा वर्तनी के विभिन्न रूपों को संबंधित मानक कोड से जोड़ जाए, ताकि जनगणना के दौरान आंकड़ों में किसी तरह की विसंगति न रहे उन्होंने डिजिटल जातिगत जनगणना के लिए वैज्ञानिक रूप से तैयार ड्रॉप-डाउन मेनु प्रणाली उपलब्ध करने की मांग की उनके अनुसार इससे जातियों के विभिन्न नामों का सत्यापन और आंकड़ों का व्यवस्थित संकलन संभव हो सकेगा पटेल ने कहा कि जातिगत जनगणना की अंतिम पद्धति तय करने से पहले उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया जाना चाहिए। इसमें समाजशास्त्री, सामाजिक मानवशास्त्री, जनसंख्या विशेषज्ञ, सांख्यिकीविद, डाटा

मैनेजमेंट विशेषज्ञ तथा संवैधानिक एवं सामाजिक न्याय के जानकारों को शामिल किया जाए। साथ ही राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों तथा जाति एवं समुदाय संगठनों के प्रतिनिधियों से भी सुझाव लिए जाएं उन्होंने कहा कि विभिन्न जाति एवं सामाजिक संगठनों के पास स्थानीय नाम, उपाधियों, पर्यायवाची नाम और क्षेत्रीय विविधताओं से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध है। इसलिए जाति सूची और कोड को अंतिम रूप देने से पहले व्यापक परामर्श प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए कुंवर सिंह पटेल ने चेतावनी दी कि यदि जातिगत जनगणना में ओबीसी का कॉलम नहीं रखा गया तो कांग्रेस द्वारा पोलिंग बूथ से लेकर ब्लॉक, तहसील, विधान सभा, जिला, संभाग और प्रदेश स्तर तक आंदोलन किया जाएगा।

मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। शिक्षक दिवस के अवसर पर माध्यमिक शाला जिरौहा में शिक्षक सम्मान एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम में समाजसेवियों द्वारा विद्यालय के शिक्षकों का सम्मान किया गया। वरिष्ठ समाजसेवी बृजेंद्र पांडे एवं अरुण सिंह (पिटू) ने शिक्षकों को अक्षत-टीका लगाकर तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित करने और दीप प्रज्वलित करने के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने गीतों की प्रस्तुति के माध्यम से शिक्षक दिवस के महत्व और गुरुजनों के प्रति अपने भाव व्यक्त किए कार्यक्रम में वरिष्ठ



समाजसेवी बृजेंद्र पांडे एवं अरुण सिंह पिटू ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन-दर्शन पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा और समाज निर्माण में शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उन्हें जीवन में सही दिशा चुनने और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए भी प्रेरित करते हैं विद्यालय के प्रधानाचार्य

कार्यक्रम के बाद जंगल बचाओ आंदोलन के सदस्यों एवं उपस्थित लोगों द्वारा विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया इस दौरान पर्यावरण संरक्षण और अधिक से अधिक पौधे लगाने का संदेश दिया गया। उपस्थित लोगों ने पौधों की देखभाल और उनके संरक्षण का संकल्प भी लिया कार्यक्रम में शिक्षक राम भजन वर्मा, संतोष कोल, अंकित, रागिनी चौरसिया, धनेंद्र पांडे, सेवानिवृत्त शिक्षक केशव प्रसाद सिंह, समाजसेवी रामायण तिवारी, अधिवक्ता भगवती प्रसाद तिवारी, सत्यनारायण साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। शिक्षक सम्मान के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कार्यक्रम का समापन हुआ।

टीआरएस कॉलेज के समाजशास्त्र विभाग में शिक्षक दिवस पर भव्य सम्मान समारोह

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासकीय ठाकुर रणमत सिंह स्वशासी महाविद्यालय, रीवा के समाजशास्त्र विभाग में शनिवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर गरिमायय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी के निदेशन एवं मार्गदर्शन में समाजशास्त्र परिषद द्वारा आयोजित किया गया समारोह में विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उत्साहपूर्वक सहभागिता की कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत के साथ हुआ। इस अवसर पर समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अखिलेश शुक्ल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक



समाज का निर्माता होता है। शिक्षक की भूमिका केवल विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान देने तक सीमित नहीं है बल्कि वह उनके चरित्र निर्माण, व्यक्तित्व विकास और जीवन मूल्यों को आकार देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने शिक्षकों के प्रति सदैव सम्मान और कृतज्ञता का भाव रखने का आह्वान किया समाजशास्त्र विभाग के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. महानंद

द्विवेदी ने शिक्षक दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह दिवस देश के महान शिक्षाविद् एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की विरासत और शिक्षा के प्रति उनके योगदान को स्मरण करने का अवसर है। उन्होंने विद्यार्थियों को अध्ययन के प्रति समर्पित रहने तथा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने के लिए प्रेरित किया डॉ. मधुलिखा वास्तव एवं डॉ. शाहेदा सिद्दीकी ने भी

विद्यार्थियों को संबोधित किया उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यक्ति के साथ-साथ पूरे समाज के विकास की आधारशिला है विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व को समझते हुए अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन का लाभ उठाना चाहिए समारोह को सफल बनाने में डॉ. मधुलिखा वास्तव, डॉ. शाहेदा सिद्दीकी, डॉ. फरजाना बानो, प्रोफेसर शालिनी पाण्डेय, डॉ. अम्भा द्विवेदी, डॉ. निशा सिंह, डॉ. प्रियंका पाण्डेय, डॉ. गुंडन सिंह, डॉ. प्रियंका तिवारी, वर्षा मोगरे एवं सुलोचना साहू तथा एमए प्रथम सेमेस्टर के अभिषेक कुशवाहा, अदिति मिश्रा, विभा भार्गो, मिथलेखा विश्वकर्मा, सूरज यादव, कोमल कुशवाहा और आशीष कोल ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उमादत्त स्मृति विद्यालय दुआरी के लिए गौरव और हर्ष का विषय है कि विद्यालय के 13 प्रतिभावान बेसबॉल खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है चयनित खिलाड़ियों ने अंडर-14 और अंडर-17 बालक एवं बालिका

वर्ग में बेहतर प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी जगह बनाई है सभी चयनित खिलाड़ी आगामी प्रतियोगिताओं में रीवा संभाग का प्रतिनिधित्व करी विद्यालय के खिलाड़ियों के एक साथ राज्य स्तर पर चयनित होने से विद्यालय परिवार में उत्साह का माहौल है खेल प्रतिभाओं को

बालक एवं बालिका वर्ग की राज्य स्तरीय बेसबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 6 सितंबर से 11 सितंबर तक छतरपुर में किया जाएगा प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी रीवा संभाग की ओर से मैदान में उतरेंगे। इसी तरह अंडर-17 वर्ग में विद्यालय के पांच खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है बालिका वर्ग में श्रेया विश्वकर्मा एवं अनुराधा सिंह चयनित हुई हैं, जबकि बालक वर्ग में अंश मिश्रा, सर्वज्ञ सोनी एवं ओम सिंह ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए जगह बनाई है अंडर-17 बालक एवं बालिका वर्ग की राज्य स्तरीय बेसबॉल प्रतियोगिता 15 सितंबर से 19 सितंबर तक भोपाल में आयोजित की जाएगी।

कल्पना मिश्रा मौत मामले में विधायक अभय मिश्रा की एंट्री

डीन को हटाने और दोषी डॉक्टरों पर एफआईआर की मांग बोले—कार्रवाई नहीं हुई तो प्रदेश स्तर पर होगा आंदोलन



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय (SGMH) में कल्पना मिश्रा और उसके नवजात शिशु की मौत का मामला लगातार

को सेमरिया विधायक अभय मिश्रा अनशन स्थल पर पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर आंदोलन को समर्थन दिया विधायक ने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए वे उनके साथ खड़े हैं उन्होंने कहा कि मामले में केवल एक-दो लोगों के खिलाफ कार्रवाई पर्याप्त नहीं होगी पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कर उस समय ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों, अधिकारियों और अन्य संबंधित लोगों की भूमिका तय की जानी चाहिए डीन को हटाने और एफआईआर की मांग अभय मिश्रा ने स्तरा के डीन डॉ. सुनील अग्रवाल को पद से हटाने की मांग

की उन्होंने कहा कि मामले में जो भी चिकित्सक या कर्मचारी दोषी पाए जाते हैं उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जानी चाहिए विधायक ने चेतावनी दी कि यदि शासन और प्रशासन ने जल्द ठोस कदम नहीं उठाए तो कांग्रेस इस मामले को प्रदेश स्तर पर उठाएगी और व्यापक आंदोलन किया जाएगा डॉ. सोनल अग्रवाल की सेवा और भुगतान पर सवाल विधायक ने डॉ. सोनल अग्रवाल की सेवा और भुगतान को लेकर भी सवाल उठाए उनका कहना था कि यदि वर्ष 2023 में उन्हें सेवा से पृथक किया गया था तो इसके बाद उन्हें किस आधार पर भुगतान किया

गया इसकी जांच आवश्यक है उन्होंने संबंधित दस्तावेजों की जांच कर पूरी प्रक्रिया की जिम्मेदारी तय करने की मांग की डीन पर लगाए आरोप स्वतंत्र पुष्टि जरूरी विधायक ने डीन डॉ. सुनील अग्रवाल के खिलाफ पूर्व में दर्ज बताए जा रहे एक छेड़छाड़ के प्रकरण और स्वास्थ्य विभाग में उनकी कथित पहुंच को लेकर भी सवाल उठाए हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि इस खबर के स्तर पर नहीं हो सकी है संबंधित पक्ष का आधिकारिक पक्ष भी सामने आना बाकी है सिर्फ निलंबन से नहीं मिलेगा न्याय अनशन स्थल पर विधायक ने कहा कि कल्पना

मिश्रा और उसके नवजात की मौत केवल एक परिवार से जुड़ा मामला नहीं है बल्कि अस्पताल की व्यवस्था और जवाबदेही से भी जुड़ा सवाल है उन्होंने कहा कि जांच निष्पक्ष तरीके से होनी चाहिए और दोष तय होने पर संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं मृतका के परिजनों का कहना है कि उन्हें आर्थिक सहायता नहीं बल्कि न्याय चाहिए विधायक के समर्थन के बाद मामले को राजनीतिक समर्थन भी मिला है अब शासन-प्रशासन की अगुाई कार्रवाई पर परिजनों और स्थानीय लोगों की नजर बनी हुई है।

के साथ आत्मीय संवाद किया तथा उनकी पढ़ाई, दिनचर्या और छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चे को समान अवसर, सम्मान और स्नेह मिलना चाहिए। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की प्रतिभा और क्षमताओं को प्रोत्साहित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए कार्यक्रम के पश्चात सभी बच्चे एवं उपस्थित अभिभावक एक साथ बैठकर भोजन में शामिल हुए। इस दौरान कलेक्टर विकास मिश्रा ने स्वयं अपने हाथों से दिव्यांग बच्चों को भोजन परोसा और उन्हें भोजन कराया कलेक्टर की इस आत्मीय पहल से बच्चों और उनके अभिभावकों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

कलेक्टर ने छात्रावास

बचाने वाला न्याय

जब भी कोई बच्चा किसी अपराध में संलिप्त पाया जाता है तो यह समाज में गंभीर विमर्श होता है कि दंड सजा देने वाला हो या सुधारकारी। निश्चित तौर पर कोई भी बच्चा जन्म से अपराधी नहीं होता। उसकी पारिवारिक माली हालत,परिवार व पड़ोस का माहौल और परिस्थितिजन्य हालात उसे अपराध की अंधी गलियों में धकेल देते हैं। सही मायने में कोई भी बच्चा जब अपराधिक न्याय प्रणाली के दायरे में आता है तो वह वह हमारे समाज की उन तमाम नाकामियों का नतीजा होता है, जिसकी शुरुआत पहले ही हो चुकी होती है। उसका

सामाजिक परिवेश और परिवार की आर्थिक मजबूरियां भी उसके कारणों में शामिल होती हैं। इसी आलोक में देश की शीर्ष अदालत की उस टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है कि गरीबी, असमानता, अशिक्षा और सामाजिक भेदभाव बच्चों में अपराध की प्रवृत्ति को बढ़ावा दे सकते हैं। दूसरे शब्दों में सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी हमें याद दिलाती है कि अपराध के साथ-साथ उन हालात को भी गंभीरता से लिया जाना चाहिए, जिनमें वह अपराध हुआ है। निस्संदेह, यह सर्वमान्य सत्य नहीं हो सकता कि गरीबी ही हर

बच्चे को अपराधी बनाती है। लेकिन किशोरों के अपराध-उन्मुख होने की एक बड़ी वजह आर्थिक विपन्नता जरूर है। दरअसल, परिवार की आर्थिक बदहाली बच्चों को नियमित स्कूल जाने से रोकती है। इसके अलावा परिवार में कलह, परिवार के मुखिया का नशीले पदार्थों का आदी होना, बच्चे की कुसंगति, साथियों का दबाव और सामाजिक भेदभाव जैसी चीजों का सामूहिक प्रभाव ऐसी स्थितियां पैदा कर

सकता है, जो कुछ बच्चों को अपराध की अंधी गलियों में धकेल सकता है। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि राज्य इन जोखिमों का समाधान सिर्फ तब नहीं कर सकता है जबकि बच्चा पुलिस स्टेशन या जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड यानी किशोर न्याय बोर्ड तक पहुंच जाए। इस स्थिति में बचाव की गुंजाइश कम ही बचती है।देश की शीर्ष अदालत की यह चिंता कि किशोर न्याय अधिनियम के सुरक्षात्मक प्रावधान

सभी ज़रूरतमंद बच्चों तक नहीं पहुंच पाए हैं, इस कानून को लागू करने में व्याप्त गंभीर कमी को ही उजागर करती है। सही मायने में किशोर न्याय अधिनियम के अंतर्गत कानून बदले की भावना पर नहीं, बल्कि बच्चों की देखभाल,सुरक्षा, पुनर्वास और अच्छा नागरिक बनाकर समाज में फिर से शामिल करने की सोच पर आधारित रहा है। इसके अलावा बच्चे न्यायिक व्यवस्था के ऐसे कुचक्र में फंस सकते हैं, जहां इसके क्रियान्वयन से जुड़े लोग शायद उनकी कम उम्र को गंभीरता से न लें या फिर बच्चों को दी जाने वाली सुरक्षा की

संबेदनशीलता को पूरी तरह से न समझ पाएं। सही मायने में इस जटिल समस्या का समाधान किशोर न्याय व्यवस्था को अपराध को न होने देने की सोच पर केंद्रित बनाने से संभव हो सकता है। दरअसल, स्कूल छोड़ने वाले बच्चे, बाल मजदूरी से मुक्त कराये गए बच्चे, नशीले पदार्थों के सेवन से बचाये गए बच्चे जब कल्याणकारी संस्थाओं के संपर्क में बार-बार आते हैं तो उन स्थितियों में प्रशिक्षित सोशल वर्कर, काउंसलर और बाल संरक्षण अधिकारियों को सकारात्मक व सुधारकारी भूमिका निभानी चाहिए।

राष्ट्रपति विलियम का टाटा केमिकल्स को केन्या प्लांट बंद करने का आदेश

सनत जैन

केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूतो ने टाटा केमिकल्स कंपनी को केन्या के प्लांट को तुरंत बंद करने का आदेश दिया है। केन्या के राष्ट्रपति रूतो ने बड़े सख्त लेहजे में कहा है, उनका देश केन्या किसी का गुलाम नहीं है। उन्होंने टाटा केमिकल्स पर आरोप लगाया है कि वह इतने साल से केन्या में अपना प्लांट चला रही है, यहां से भारी पैसा कमा रही है लेकिन इस कंपनी ने केन्या के लिए कोई भी ऐसा काम नहीं किया जिससे ऐसा लगे, टाटा केमिकल्स केन्या के विकास और जरूरतों की दिशा में अपने मुनाफे का एक हिस्सा केन्या पर खर्च कर रही हो। उन्होंने टाटा केमिकल्स के कामकाज पर सर्वालिथा निशान लगाते हुए कहा, क्या हम दूसरे देशों के या टाटा केमिकल्स के गुलाम हैं जो इस तरह का व्यवहार किया जा रहा है। उन्होंने टाटा केमिकल्स पर कार्यवाही के बाद अन्य कंपनियों को एक तरह से चेतावनी दे दी है। उनका संदेश साफ है, केन्या केवल मुनाफा कमाने का देश नहीं है। जो भी कंपनियां केन्या में काम कर रही हैं उन्हें अपने मुनाफे का एक हिस्सा केन्या की बेहतरी के लिए खर्च करना होगा। रोजगार के अवसर बढ़ाने होंगे। औद्योगिक विकास में अपनी भूमिका स्पष्ट करनी होगी। टाटा केमिकल्स का केन्या सरकार के साथ 100 साल का अनुबंध था। उस अनुबंध को तोड़ते हुए केन्या सरकार ने टाटा केमिकल्स को अपना कारोबार समेटने का अल्टीमेटम दे दिया है। राष्ट्रपति ने स्पष्ट शब्दों में कहा टाटा केमिकल्स ने स्थानीय औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ाने की दिशा में ना तो स्वयं कोई काम किया है ना ही सरकार को इसमें सहयोग दिया है। टाटा केमिकल्स को टाटा बाय-बाय करने के साथ ही उन्होंने दो अन्य कंपनियों को लाने का फैसला किया है। यह नई कंपनियां टाटा केमिकल्स के कारोबार के साथ-साथ औद्योगिक विकास में केन्या सरकार के साथ मिलकर काम करेंगी। जिस तरह से दुनिया के सारे देशों में वैश्विक व्यापार सीधे के बाद बड़ी तेजी के साथ कारोबार बढ़ा है, आर्थिक मंदी और बेरोजगारी के इस दौर में सभी देश अपनी रणनीति बदल रहे हैं। जो विदेशी कंपनियां हैं यदि उनके देश से मुनाफा कमा रही हैं ऐसी स्थिति में उन्हें मुनाफे का एक हिस्सा जिस देश से वह मुनाफा कमा रही हैं उस पर खर्च करने की शर्त लगाना शुरू कर दी है। ताकि किसी भी देश का आर्थिक और सामाजिक शोषण कंपनियां ना कर सकें। केन्या जैसे देश ने इस मामले में पहल की है। सैकड़ों वर्षों का इतिहास है, अफ्रीका के देशों में जाकर यूरोप और अन्य देशों ने भारी कमाई की है। जिन देशों से वह कमाई कर रहे हैं वहां के लिए वह कुछ भी नहीं कर रहे हैं। केवल अफ्रीकी देशों का शोषण कर रहे हैं। इस स्थिति में अब अफ्रीकी देश काफी सजग हो गए हैं। वह अफ्रीका की संपदा और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए जो भी कंपनियां वहां काम कर रही हैं उनके ऊपर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। यदि वह उसे देश के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को ध्यान में रखते हुए उनके साथ सहयोग करेंगे ऐसी स्थिति में वह कारोबार कर सकेंगे अन्यथा उन्होंने बड़ी-बड़ी कंपनियों को टाटा-टाटा बाय-बाय करने का तरीका बंद कर लिया है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है, अफ्रीकी देश कर्ज के जंजाल में फंसे बिना जिन देसी एवं विदेशी कंपनियों को कारोबार सौंप रहे हैं उसमें अफ्रीकी देश का नेतृत्व युवा पीढ़ी के पास है। वह इस मामले में ज्यादा सजग और आक्रामक है। भारत की आबादी 140 करोड़ से ज्यादा है। यहां बेरोजगारी भी सबसे ज्यादा है। ऐसी स्थिति में जब केन्या जैसे छोटे देश इस तरह की सोच रखते हैं ऐसी स्थिति में भारत जैसे देश यदि संपन्न देशों के पीछे और बड़ी-बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों की शर्तों पर उन्हें आने की अनुमति देते हैं। औद्योगिक निवेश के लिए भारत सरकार द्वारा उन्हें तरह-तरह की छूट दी जाती है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार के लिए यह एक आईना है। हमारी आबादी है। भारत में कारोबार की अन्य देशों की तुलना में ज्यादा संभावनाएं हैं, ऐसी स्थिति में भारत को भी आत्मविश्वास बनाना होगा। हमारे यहां के विदेश मंत्री जयशंकर चीन और अमेरिका को बड़ी अर्थव्यवस्था मानते हुए जिस तरीके से उनके सामने संरेंड्र होकर भारत के हितों को अनदेखा कर रहे हैं उनके लिए केन्या और ईरान जैसे देश से सबक लेने की जरूरत है।

प्रहलाद सबनानी

भारत में भी कुछ वर्गों को भारतीय अर्थव्यवस्था में आए इस उछाल पर आश्चर्य हो रहा है एवं वे यह विश्वास नहीं कर पा रहे हैं कि वैश्विक स्तर पर बिगड़े हुए हालातों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था कैसे बनी रह सकती है। इस तरह के प्रश्नों का उत्तर पाने के लिए हाल ही के समय में भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे परिवर्तनों को हमें समझना होगा।

वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही (अप्रैल-जून 2026) के दौरान भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की गई है, इसमें अर्थव्यवस्था के समस्त क्षेत्रों का योगदान स्पष्टतः दिखाई दे रहा है। उक्त वृद्धि दर किसी एक विशेष कारण के चलते सम्भव नहीं हुई है। विनिर्माण के क्षेत्र में वृद्धि दर 8.3 प्रतिशत से



निर्माण के क्षेत्र में वृद्धि दर 5.2 प्रतिशत से बढ़कर 7.7 प्रतिशत, सेवा क्षेत्र में 8 प्रतिशत, व्यापार, होटल एवं यातायात के क्षेत्र में 8.5



सकल पूंजी निर्माण में 5.8 प्रतिशत से बढ़कर 11.9 प्रतिशत, वित्तीय क्षेत्र में 12.1 प्रतिशत, व्यापार, होटल एवं यातायात के क्षेत्र में 8.5



प्रतिशत की वृद्धि दर रही है। इसी अवधि में सकल घरेलू उत्पाद का आकार भी 80.32 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 88.27 लाख करोड़

विकास को विस्तृत आधार वाला विकास कहा जाता है। किसी भी देश में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि का आश्य यह है कि उस देश में

आर्थिक गतिविधियाँ तेजी पकड़ रही हैं। आर्थिक गतिविधियों के बढ़ने से उस देश में कर संग्रहण की राशि में भी वृद्धि दृष्टिगोचर होनी चाहिए। भारत में हाल ही के समय में कर संग्रहण में भी सगहनीय सुधार हुआ है। वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण माह अगस्त 2026 में 14.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2 लाख करोड़ रुपए के स्तर तक पहुंच गया है। आंतरिक वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण 9 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1.37 लाख करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंचा है तो वहीं आयात वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण 29 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 0.62 लाख करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंच गया है। इसी प्रकार, आय कर की विवरणी फाइल करने वाले नागरिकों की संख्या में भी अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है और वित्तीय वर्ष 2025-26 वर्ष के लिए आय कर की विवरणी फाइल करने वाले नागरिकों की संख्या 7.80 करोड़ के स्तर को पार कर गई है।

विकसित भारत क्विज में युवाओं की भागीदारी का आह्वान

भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के तहत युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ने के लिए ‘विकसित भारत क्विज’ का आयोजन किया जा रहा है। मेरा युवा भारत (MY Bharat) पोर्टल पर आयोजित इस राष्ट्रव्यापी क्विज में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की गई है जिला युवा अधिकारी, मेरा युवा भारत, रीवा द्वारा जिले के पात्र युवाओं से इस पहल में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया गया है।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव का बदला स्वरूप:राष्ट्रीय युवा महोत्सव का आयोजन वर्ष 1995 से प्रत्येक वर्ष 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर किया जाता रहा है। इस आयोजन के माध्यम से देश के अलग-अलग सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से

आने वाले युवाओं को एक मंच पर लाकर राष्ट्रीय एकता, युवा सशक्तिकरण और नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा दिया जाता रहा है वर्ष 2025 में प्रधानमंत्री के ‘विकसित भारत @2047’ के विजन के अनुरूप राष्ट्रीय युवा महोत्सव का पुनर्गठन ‘विकसित भारत युवा संवाद’ के रूप में किया गया। इसी क्रम में 30वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव-विकसित भारत युवा संवाद 2027 का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना तथा उनमें नेतृत्व, नवाचार और रचनात्मक चिंतन की भावना विकसित करना है।

22 भाषाओं में आयोजित होगी क्विज: ‘विकसित भारत क्विज’ 22 भाषाओं में आयोजित की जा रही है इसमें भारत, भारतीय विरासत, देश की उपलब्धियों, विकास यात्रा

और ‘विकसित भारत २047’ की परिकल्पना से जुड़े विभिन्न विषयों पर युवाओं के सामान्य ज्ञान एवं समझ का परीक्षण किया जाएगा आयोजकों के अनुसार क्विज के माध्यम से युवाओं में देश के प्रति जिज्ञासा और ज्ञानपूर्ण सहभागिता को बढ़ावा देने के साथ प्रत्येक राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश से व्यापक युवा प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है।

क्विज के बाद आगे बढ़ेगा ‘चैलेंज ट्रैक’: ‘विकसित भारत’ पहल के अंतर्गत युवाओं की सहभागिता को ‘विकसित भारत चुनौती ट्रैक’ के माध्यम से विभिन्न चरणों में आगे बढ़ाया जाएगा। क्विज में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को आगामी चरणों में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। इसके बाद निबंध लेखन और प्रस्तुतीकरण के

माध्यम से प्रतिभागी विकसित भारत के निर्माण से जुड़े अपने विचार, विजन, नवाचार और समाधान प्रस्तुत करेंगेजिला एवं राज्य स्तर पर चयनित प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर की प्रक्रिया में शामिल होंगे। इस पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य युवाओं के ज्ञान और प्रतिभा को केवल प्रतियोगिता तक सीमित न रखते हुए उन्हें राष्ट्र निर्माण से जुड़े विचारों को सामने रखने का अवसर प्रदान करना है।

इन विषयों पर रख सकेंगे अपने विचार:चुनौती ट्रैक के अंतर्गत युवाओं को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विचार करने का अवसर मिलेगा। इनमें भविष्य का शासन, शहरी परिवर्तन एवं नागरिक सेवाएं, जलवायु सुरक्षा, सीमाएं एवं सतत पर्वतीय विकास, जनसांख्यिकीय लाभांश, मानव पूंजी एवं युवा विकास जैसे विषय शामिल हैं इसके अलावा

सतत औद्योगीकरण, संसाधन आधारित विकास एवं स्थिरता, एक्ट ईस्ट नीति, सांस्कृतिक नेतृत्व एवं संपर्क, विनिर्माण, उद्यमिता एवं हरित विकास, जनजातीय नेतृत्व, प्राकृतिक संसाधन एवं समावेशी विकास पर भी प्रतिभागी अपने विचार रख सकेंगे। नवाचार अर्थव्यवस्था, पर्यटन एवं रचनात्मक उद्योग, प्रौद्योगिकी, नवाचार, भविष्य की तैयारी एवं रोजगार सृजन तथा नीली अर्थव्यवस्था, मानव पूंजी एवं वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता जैसे विषय भी चुनौती ट्रैक का हिस्सा होंगे।

प्रधानमंत्री के समक्ष विचार रखने का अवसर: इस पूरी प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण चरण राष्ट्रीय संवाद होगा। राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम के लिए चयनित युवाओं को अपने विचार, विजन और विकसित भारत से संबंधित सुझाव

प्रधानमंत्री के समक्ष प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा यह मंच युवाओं को राष्ट्रीय नेतृत्व के सामने अपनी सोच रखने तथा वर्ष 2047 के विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगा जिला युवा अधिकारी, मेरा युवा भारत, रीवा ने जिले के सभी पात्र युवाओं से ‘विकसित भारत क्विज’ में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने की अपील की है। विभाग का कहना है कि युवाओं की प्रतिभा, ज्ञान, विचार, नवाचार और नेतृत्व क्षमता विकसित भारत के निर्माण की महत्वपूर्ण आधारशिला है। ऐसे में युवाओं की भागीदारी इस राष्ट्रव्यापी अभियान को व्यापक और प्रभावी बनाने में अहम भूमिका निभा सकती है। विकसित भारत क्विज’ में शामिल हो, युवा, राष्ट्रीय संवाद में प्रधानमंत्री के सामने रख सकेंगे विचार।

अति की हदों को पार करती असहमति

यह एक तथ्य है कि जनभागीदारी वाले कई सामाजिक अभियान महंगा मोदी सरकार के अभियान बनकर रह गए हैं। यह स्थिति तब है, जब देश में कई समस्याएं ऐसी हैं, जिनका समाधान जनता की सामूहिक भागीदारी से ही किया जा सकता है इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही की जीडीपी विकास दर 7.8 प्रतिशत रहने पर प्रधानमंत्री मोदी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जब यह कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं और चुनौतियों के बावजूद यह वृद्धि देश के लोगों की सामूहिक शक्ति और आर्थिक आत्मविश्वास का परिणाम है तो कांग्रेस को यह बिल्कुल रास नहीं आया। उसने अर्थव्यवस्था की तमाम कमजोरियों का उल्लेख करते हुए मोदी सरकार को निशाने पर लिया। ऐसा नहीं है कि आर्थिक मोर्चे पर किसी तरह की समस्याएं नहीं हैं, लेकिन कांग्रेस का उद्देश्य उन्हें भिन्नाना नहीं, बल्कि यह सिद्ध करना था कि जीडीपी में वृद्धि किसी तरह की उपलब्धि नहीं है। उसने यह काम पूरी शिद्दत से किया और इसके लिए कई प्रवक्ताओं को मैदान में उतारा।

निःसंदेह किसी को यह अपेक्षा नहीं करनी चाहिए कि विपक्ष सरकार की प्रशंसा करेगा। विपक्ष का काम सरकार की खामियों को ईंगित करना और उसकी गलतियों के लिए उसे कठघरे में खड़ा करना है। इससे ही सरकारों पर दबाव बनता है और वे सही तरह काम करने के लिए बाध्य होती हैं, लेकिन पिछले लगभग दो दशकों से असहमति की राजनीति अपनी हदों को पार कर विरोध के लिए विरोध की राजनीति में बदल चुकी है। विरोध के लिए विरोध की राजनीति के चलते आज राजनीतिक माहौल इतना कटुतापूर्ण, छिद्रान्घेपी और नकारात्मक हो गया है कि यदि कोई नेता ऐसा कुछ कह दे कि नियमों का पालन करें और संयम एवं अनुशासन का परिचय दें तो विरोधी दल के नेता इसका भी विरोध करने के लिए आगे आ सकते हैं। इसके लिए उनके पास तरह-तरह के (कु)तर्क भी होंगे। कटु एवं नकारात्मक राजनीतिक विमर्श का असर सामाजिक विमर्श पर भी पड़ रहा है। यह एक तथ्य है कि सोशल मीडिया कहे जाने वाले डिजिटल प्लेटफार्मों पर विचार-विमर्श का स्थान गाली-गलौज ने ले लिया है। इसका कारण यह है कि राजनीतिक दलों के आइटी सेल विरोधी दलों के नेताओं पर प्रायः बिलो द बेस्ट यानी अपमानजनक प्रहार करते ही रहते हैं। अतः ऐसे प्रहार करने के लिए एआइ का भी सहारा लिया जा रहा है। कई बार इसकी चपेट में महिला नेता भी आ जाती हैं। इसके नतीजे में राजनीतिक और



सामाजिक माहौल बुरी तरह दूषित हो रहा है। इस प्रदूषण के दूर होने की कोई सूरत नहीं दिखती। कटुतापूर्ण राजनीति ने महापुरुषों को भी बंट दिया है। अब राजनीति और समाज के स्तर पर लोग

किसी राष्ट्रीय दायित्व या अभियान के प्रति कठिनाई से ही एकमत और एकजुट होते दिखते हैं, जबकि देश की कई समस्याएं ऐसी हैं, जिन्हें लोगों की सामूहिक भागीदारी से ही दूर किया जा

सकता है, जैसे सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी से मुक्ति। आज स्वच्छ भारत जैसे अभियान असरहीन होते दिख रहे हैं तो इसीलिए कि इस अभियान में आम जनता की पहली जैसी भागीदारी नहीं दिखती। जब यह अभियान शुरू हुआ था तो आम लोगों की इसमें दिलचस्पी और भागीदारी दिख रही थी कि सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैले, लेकिन अब वह दिखाई नहीं देती। यह एक ऐसा अभियान है, जो आम जनता की भागीदारी के बिना सफल नहीं हो सकता। यदि लोग सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने से रोकने के लिए सक्रिय-सचेत नहीं रहते तो सरकारें और उनकी एजेंसियां कुछ भी कर लें, बात बनने वाली नहीं है। विडंबना यह है कि जब से यह अभियान शुरू हुआ, तबसे शायद ही किसी विपक्षी नेता ने इसे सफल बनाने में अपने लोगों को भागीदार बनने के लिए प्रेरित किया हो। कुछ ऐसी ही स्थिति बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे अभियानों की भी है। विरोधी राजनीतिक दलों को लगता है कि जिस दल ने इन अभियानों को शुरू किया, उनके लोगों को ही इनमें भागीदार बनने की आवश्यकता है। शायद यही कारण है कि हर घर तिरंगा जैसे अभियानों में भी सभी राजनीतिक दलों की भागीदारी नहीं दिखती। इसमें गहन संदेह है कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विरोधी राजनीतिक दल किसी तरह का उसाह-उमंग दिखाते होंगे। हैरानी नहीं कि मोदी सरकार के हटते ही इस दिवस को मनाना ही बंद कर दिया जाए। यह एक तथ्य है कि जनभागीदारी वाले कई

सामाजिक अभियान महज मोदी सरकार के अभियान बनकर रह गए हैं। यह स्थिति तब है, जब देश में कई समस्याएं ऐसी हैं, जिनका समाधान जनता की सामूहिक भागीदारी से ही किया जा सकता है। संकट यह है कि अब राजनीतिक दल किसी भी मुद्दे पर एकमत नहीं होते-न तो संसद में और न ही संसद के बाहर। हालांकि इसके लिए राष्ट्रीय एकता परिषद के रूप में एक मंच है, लेकिन वह लंबे समय से निष्क्रिय है। यह सही समय है कि इस निष्क्रिय मंच को सक्रिय किया जाए। राष्ट्रीय एकता परिषद एक गैर-संवैधानिक निकाय है। इस परिषद के अध्यक्ष प्रधानमंत्री होते हैं। इसके सदस्यों में सभी मुख्यमंत्री, राजनीतिक दलों के नेता, विभिन्न आयोगों के अध्यक्ष, उद्योग, व्यापार, मीडिया और श्रमिक संघों के प्रतिनिधि होते हैं। इसकी स्थापना 1961 में की गई थी। कहीं यह मंच इसलिए तो निष्क्रिय नहीं कि इसकी स्थापना प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने की थी? जो भी हो, यह ध्यान रहे कि इस परिषद का उद्देश्य सांप्रदायिकता, जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद और संकीर्णता जैसी समस्याओं का सामना करना था। कोई इससे इन्कार नहीं कर सकता कि इन समस्याओं का सामना करने की आवश्यकता आज भी है और इसकी पूर्ति सबके सहयोग से ही संभव है। (लेखक दैनिक जागरण में एसोसिएट एडिटर हैं)

खड़गवां से ‘सक्षम एमसीबी सेवा संकल्प अभियान 2026’ का हुआ आगाज: स्वास्थ्य मंत्री ने किया वृहद स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक व्यक्ति को समय पर जांच उपचार एवं चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराने के संकल्प के साथ सक्षम एमसीबी सेवा संकल्प अभियान 2026 का शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खड़गवां से भव्य शुभारंभ हुआ छत्तीसगढ़ शासन के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अभियान का शुभारंभ किया इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खड़गवां में वृहद स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने निःशुल्क स्वास्थ्य जांच विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श एवं आवश्यक उपचार का लाभ लिया अभियान का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को अस्पतालों और बड़े स्वास्थ्य केंद्रों तक सीमित रखने के बजाय गांव-गांव एवं घर-घर तक पहुंचाना है ताकि दूरस्थ क्षेत्रों



के लोगों को गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान, नियमित स्वास्थ्य जांच और आवश्यक उपचार की सुविधा नजदीक ही मिल सके स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कार्यक्रम स्थल पहुंचकर सबसे पहले सेवा संकल्प अभियान के पंजीयन डेबल का निरीक्षण किया उन्होंने पंजीयन प्रक्रिया तथा शिविर में आने वाले लोगों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली इसके बाद विभिन्न रोगों एवं स्वास्थ्य सेवाओं के विभागवार स्टॉलों का निरीक्षण

करते हुए चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों से जांच, उपचार और परामर्श की जानकारी प्राप्त की इसके बाद मंत्री ने छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर वृहद स्वास्थ्य शिविर का विधिवत शुभारंभ किया वंदे मातरम, राष्ट्रगान और राजकीय गीत से गुंजा परिसर कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम राष्ट्रगान जन गण मन एवं राजकीय गीत प्रस्तुत किया गया गीतों की धुन से पूरा परिसर गूंज उठा अतिथियों जनप्रतिनिधियों अधिकारियों,

चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मियों एवं नागरिकों ने सावधान की मुद्रा में सहभागिता निभाई इसके बाद स्वागत समारोह में उपस्थित अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की रही मौजूदगी कार्यक्रम में महापौर राम नरेश राय, मंडल अध्यक्ष खड़गवां धरमपाल सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष खड़गवां राम लाल साहू, किसान मोर्चा अध्यक्ष एमसीबी राम प्रताप गुप्ता, युवा नेता अरुणोदय पांडे, युवा नेता धनंजय पांडे, वरिष्ठ नेता मुकेश

जायसवाल, विधायक प्रतिनिधि राजू नायक, यशवंती सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे स्वास्थ्य विभाग की ओर से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व लिंगराज सिदार, विजयेंद्र सारथी, जिला अस्पताल के अधीक्षक राजेंद्र राय, मनेंद्रगढ़ अस्पताल अधीक्षक डॉ. स्वप्निल तिवारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक शिशिर जायसवाल, मनेंद्रगढ़ अस्पताल प्रबंधक मंडल, खड़गवां जिला कार्यक्रम प्रबंधक राजकुमार रजवाड़े, विकासखंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनीष सिंह सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे एक ही स्थान पर मिली विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं वृहद स्वास्थ्य शिविर में ग्रामीणों को एक ही स्थान पर चिकित्सा, स्त्री रोग, शिशु रोग, हृदय रोग, अस्थि रोग, नेत्र रोग, त्वचा रोग, कान-नाक-गला, दंत रोग तथा भौतिक चिकित्सा सहित विभिन्न विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध कराई गई विशेषज्ञ चिकित्सकों ने

मरीजों की जांच कर आवश्यक उपचार एवं चिकित्सकीय परामर्श दिया शिविर में रक्तचाप, मधुमेह और कैंसर सहित गैर-संचारी रोगों की जांच के साथ महिलाओं एवं किशोरियों का स्वास्थ्य परीक्षण, गर्भवती महिलाओं की जांच, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष स्वास्थ्य जांच की सुविधा भी उपलब्ध रही इससे खड़गवां एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को नजदीक ही विशेषज्ञ सेवाएं मिल सकीं 30 सितंबर को खड़गवां होगा क्षय रोग मुक्त स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है उन्होंने बताया कि आगामी 30 सितंबर को जनपद खड़गवां को क्षय रोग मुक्त घोषित किया जाएगा क्षय रोग के उन्मूलन के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाकर बीमारी की पहचान एवं उपचार को प्रभावी बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।



मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के गोपालपुर थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह रेलवे ट्रैक के पास एक 24 वर्षीय युवक की मौत हो गई। युवक का शव इमलिया और पाढ़खड़ के बीच रेलवे ट्रैक पर मिला घटना की सूचना मिलने के बाद गोपालपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवक रेलवे पट्टी के पास शौच के लिए गया था इसी दौरान वह ट्रैन की चपेट में आ गया हादसे में उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के क्षेत्र में लोगों की भीड़ जमा हो गई पुलिस ने मोबाइल फोन में लगी सिम के आधार पर मृतक की पहचान इमलिया गांव निवासी भरत आदिवासी के रूप में की भरत प्रह्लाद आदिवासी का बेटा था। पुलिस ने पहचान की पुष्टि के बाद घटना की जानकारी

परिजनों को दी परिजनों के अनुसार, भरत की शादी करीब डेढ़ साल पहले हुई थी। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा गोपालपुर थाना प्रभारी राधेश्याम शिवहरे ने बताया कि शुरुआती जांच में युवक की ट्रैन की चपेट में आने से मौत होने की बात सामने आई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है हादसा किन परिस्थितियों में हुआ इसे लेकर पुलिस घटनास्थल और युवा पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर रही है रेलवे ट्रैक के आसपास रहने वाले लोगों से भी पुलिस द्वारा घटना के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

मड़ीखेड़ा डैम के 4 गेट खुले 654.49 क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा रहा जिले में सामान्य से 30.23 मिमी ज्यादा बारिश

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले में पिछले 24 घंटे में हुई बारिश के बाद इस सीजन की औसत वर्षा 846.53 मिमी पहुंच गई है यह जिले की सामान्य औसत वर्षा 816.3 मिमी से 30.23 मिमी ज्यादा है लगातार बारिश के कारण शनिवार सुबह सिंध परिवोजना के अटल सागर मड़ीखेड़ा डैम का जलस्तर भी बढ़ गया है डैम से कुल 654.494 क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा रहा है भू-अभिलेख विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, शुक्रवार तक जिले में औसत वर्षा 764.46 मिमी थी पिछले 24 घंटे में इसमें 82.07 मिमी की बढ़ोतरी हुई 5 सितंबर को यह आंकड़ा 846.53 मिमी हो गया सुबह 11 बजे मड़ीखेड़ा डैम का जलस्तर 345.10 मीटर दर्ज किया गया डैम का फुल रिजर्वायर लेवल (FRL) 346.25 मीटर है यानी, जलस्तर

सक्रूसरे करीब 1.15 मीटर नीचे है डैम के चार गेट खोले गए डैम में 755.40 मिलियन घन मीटर लाइव स्टोरेज उपलब्ध है। यह कुल 834.83 मिलियन घन मीटर की क्षमता का 90.49 प्रतिशत है डैम के गेट 4 सितंबर की शाम 3:30 बजे से खोले गए हैं 5 सितंबर को सुबह 10 बजे की स्थिति में गेट नंबर 5 और 6 को 1.25-1.25 मीटर खोला गया। वहीं, गेट नंबर 4 और 7 को 0.75-0.75 मीटर खोला गया है गेट नंबर 3 और 8 अभी बंद हैं इस तरह कुल गेट ओपनिंग 4 मीटर है गेटों से 519.074 क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा रहा है। इसके अलावा, पावर हाउस की मशीनों से 135.42 क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा रहा है। दोनों को मिलाकर मड़ीखेड़ा डैम से कुल 654.494 क्यूमेक्स पानी प्रति सेकंड की दर से डाउनस्ट्रीम में छोड़ा जा रहा है।

ग्रामीणों ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पर झूठी शिकायत का आरोप लगाया :केंद्र बंद होने का वीडियो बनाने पर सरकारी काम में बाधा डालने की शिकायत, कहा-निष्पक्ष जांच हो

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। शिवपुरी जिले के करैरा थाना क्षेत्र के प्राणपुरा कुट्टीलामढ़ गांव में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका पर ग्रामीणों ने झूठी शिकायत करने का आरोप लगाया है ग्रामीणों का कहना है कि केंद्र की व्यवस्थाओं की जानकारी प्रशासन तक पहुंचाने के लिए वीडियो बनाने पर उन्हें सरकारी काम में बाधा डालने के मामले में फंसाया जा रहा है शनिवार को ग्रामीणों ने करैरा थाने और तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच की मांग की ग्रामीणों के मुताबिक, उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र के बाहर से वीडियो बनाया था उस समय केंद्र बंद था उनका कहना है कि वीडियो बनाने का उद्देश्य केंद्र के समय पर नहीं खुलने और बंद रहने को जानकारी प्रशासन तक पहुंचाना था। किसी सरकारी काम में बाधा डालना उनका उद्देश्य नहीं था ग्रामीणों ने



बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने चार-पांच ग्रामीणों के खिलाफ करैरा थाने में सरकारी काम में रुकावट डालने की शिकायत की है ग्रामीणों ने आरोपों को गलत और बेबुनियाद बताते हुए कहा कि सरकारी संस्था की व्यवस्था में कमी दिखाई देने पर प्रशासन को इसकी जानकारी देना उनका अधिकार और सामाजिक जिम्मेदारी है घटना के समय मौजूद नहीं थे फिर भी नाम देने का आरोप ग्रामीणों ने शिकायत

में कुछ ऐसे लोगों के नाम शामिल किए जाने का भी आरोप लगाया है जो घटना के समय मौके पर मौजूद नहीं थे। ग्रामीणों का कहना है कि इससे निर्दोष लोगों के खिलाफ कार्रवाई होने की आशंका है उन्होंने थाना प्रभारी और तहसीलदार से मांग की कि वीडियो, मौके की वास्तविक स्थिति और संबंधित लोगों के बयान के आधार पर मामले की स्वतंत्र जांच की जाए ग्रामीणों ने कहा कि जांच पूरी होने से पहले



किसी निर्दोष के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए ज्ञापन देने वालों में गजेंद्र लोधी टीला, अभिषेक बगौदा, रविंद्र नरवरिया, बल्लू लोधी, मनोज, ब्रजेंद्र, जितेंद्र कोली, सचिन लोधी, मदन लोधी, पुष्पेंद्र, अवतार लोधी, अंकित लोधी समेत कई ग्रामीण शामिल रहे ग्रामीणों ने कहा कि यदि निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो वे वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत करेंगे इसके बाद शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन भी किया जाएगा।

किसान के घर दिनदहाड़े चोरी :4 तोला सोना, चांदी के जेवर और 10 हजार रुपए ले गए चोर घर अंदर से बंद कर पीछे के रास्ते से भागे

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के ग्राम गयपुर में एक किसान के घर दिनदहाड़े चोरी की वास्तत सामने आई है वास्तत के समय किसान और उसकी पत्नी घर पर नहीं थे किसान खेत गया था, जबकि उसकी पत्नी तस्करी अस्पताल गई थी इसी दौरान चोर घर में घुसे और अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर और 10 हजार रुपए नकद चोरी कर ले गए चोरों ने घर के अंदर से दस्वाजे की चक्कनी लगा दी और पीछे के दस्वाजे से भाग निकलते घटना की जानकारी किसान के दोपहर में घर लौटने पर हुई इसके बाद देहात थाना पुलिस को सूचना दी गई पुलिस ने शुक्रवार शत अज्ञात आरोपियों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है ताला खोलकर अंदर पहुंचे तो कमरे की चक्कनी बंद मिली पुलिस के मुताबिक गयपुर निवासी नीरज गौर खेती-किसानी करते हैं 3 सितंबर की सुबह करीब 10 बजे उनकी पत्नी सपना तस्करी अस्पताल चली गई थी जबकि नीरज खेत चले गए थे दोपहर करीब 3 बजे नीरज खेत से घर लौटे उन्होंने घर का ताला खोला और अंदर पहुंचे तो बीच वाले कमरे की चक्कनी अंदर से बंद मिली। इसके बाद वे घर के पिछले हिस्से में पहुंचे,



जहां दस्वाजा खुला हुआ था अंदर जाकर देखा तो अलमारी का सामान बिखरा पड़ा था अलमारी से सोने-चांदी के जेवर और नकदी गायब फरियादी के मुताबिक अलमारी के लॉकर में पत्नी की सोने की चेन, मंगलसूत्र, अंगूठी, पांचाली और झुपकी रखी थी। इसके अलावा चांदी की पायजेंट और 10 हजार रुपए नकद भी गायब मिले नीरज ने पुलिस को बताया कि चोरी गए सोने के जेवर करीब 4 तोला वजन के थे, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 5

लाख रुपए बताई जा रही है हालांकि पुलिस की एफआईआर में चोरी गए पुने जेवर की कीमत 60 हजार रुपए आंकी गई है थाना प्रभारी ने किया मौका मुआयना घटना की सूचना मिलने के बाद देहात थाना प्रभारी उमा मगवी ने पुलिस टीम के साथ मौके का मुआयना किया पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करते के साथ संदर्भों की जानकारी जुट रही है पुलिस पूर्व में चोरी की वास्ततों में पकड़े गए आरोपियों से भी पूछताछ कर रही है।

पशु तस्करी के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, एक माह में 409 पशु मुक्त

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस ने गौवंश एवं अन्य पशुओं की अवैध तस्करी, क्रूरतापूर्वक परिवहन और अवैध बूचड़खानों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है पुलिस द्वारा विगत एक माह में प्रदेश के सिवनी, खरगोन, कटनी और बुरहानपुर जिलों में कार्रवाई करते हुए कुल 409 पशु एवं गौवंश को मुक्त कराया गया कार्रवाई के दौरान तस्करी और अवैध परिवहन में इस्तेमाल किए जा रहे वाहनों को भी जब्त किया गया है कटनी में 354 पशु मुक्त कटनी जिले की निवार चौकी पुलिस ने बिना परमिट और क्रूरतापूर्वक 354 पशुओं का परिवहन करने के मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया पुलिस ने मौके से 354 पशुओं समेत 12 चक्का टाटा ट्रक जब्त किया।

आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम और मोटरयान अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है सिवनी कोतवाली पुलिस ने सागर से नागपुर ले जाए जा रहे 23 गौवंश को मुक्त कराया और तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर कंटेनर जब्त किया वहीं अवैध रूप से संचालित बूचड़खाने पर कार्रवाई करते हुए चार मवेशियों को सुरक्षित मुक्त कराया गया और चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया खरगोन और बुरहानपुर में भी कार्रवाई खरगोन पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए 14 गौवंश को मुक्त कराया और दो वाहन जब्त किए बुरहानपुर कोतवाली पुलिस ने अवैध गौवंश परिवहन के मामले में 14 गौवंश को मुक्त कराया।

नर्मदापुरम के शिक्षक ओमप्रकाश को राज्यस्तरीय सम्मान मिला :अनुपयोगी चीजों से तैयार की जीरो लागत टीचिंग मटेरियल, सीएम-राज्यपाल से हुए सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। शिक्षक दिवस के अवसर पर शनिवार को नर्मदापुरम जिले के पिपरिया तहसील के ग्राम सिंघानामा स्थित मिडिल स्कूल के शिक्षक ओमप्रकाश विश्वकर्मा को राज्यस्तरीय शिक्षक सम्मान से नवाजा गया भोपाल में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में राज्यपाल मंगू भाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उन्हें सम्मान प्रदान किया। नर्मदापुरम जिले से इस बार राज्यस्तरीय सम्मान पाने वाले ओमप्रकाश एकमात्र शिक्षक रहे ओमप्रकाश को लगातार तीन सत्रों 2023-24, 2024-25 और 2025-26 के वार्षिक कार्य मूल्यांकन प्रतिवेदन (एपीएआर) में उत्कृष्ट ग्रेड मिला है। उनका परीक्षा परिणाम भी शत-प्रतिशत रहा है। राज्यस्तरीय सम्मान के लिए



वे लगातार तीन वर्षों से प्रयासरत थे। तीसरे वर्ष उनका चयन की-रिसोर्स ग्रुप के लिए हुआ 13 साल से शिक्षा विभाग में सेवाएं, तैयार की पाठ्यसामग्री शिक्षा विभाग में 13 साल से सेवाएं दे रहे ओमप्रकाश ने राज्य स्तर पर कक्षा 3, 5, 6 और 8 के लिए पाठ्यसामग्री एवं मूल्यांकन पत्र

तैयार किए हैं इसके अलावा एफएलएन मिशन के लिए शिक्षक प्रशिक्षण मॉड्यूल भी तैयार किए। उन्होंने अनुपयोगी सामग्री से जीरो लागत की टीचिंग-लर्निंग मटेरियल (टीएलएम) तैयार कर विद्यार्थियों की पढ़ाई को आसान बनाया सिंघानामा का स्कूल मोबाइल नेटवर्क की सुविधा से वंचित क्षेत्र में



हैं ऐसे में विद्यार्थियों को एआई और इंटरनेट आधारित शैक्षणिक सामग्री का लाभ नहीं मिल पाता शिक्षक ने अपने खर्च से एआई, इंटरनेट और मोबाइल के माध्यम से उपयोगी अध्ययन सामग्री तैयार की जिसका विद्यार्थियों को लाभ मिला शिक्षकों को एनईई और मानसिक कल्याण का प्रशिक्षण दिया

अकादमिक दक्षता के आधार पर ओमप्रकाश का स्टार प्रोजेक्ट के तहत जिला की-रिसोर्स ग्रुप में चयन हुआ था। यहां उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को लेकर शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया राज्य आनंद संस्थान में मास्टर ट्रेनर के रूप में शिक्षकों के मानसिक कल्याण से जुड़े सत्र भी लिए उनके

शोध लेख विभाग की प्रतिष्ठित पुस्तकों में प्रकाशित हो चुके हैं साझा संवाद में प्रेक प्रयास के तहत अभिनव रणनीतियों पर उनका लेख, नई क्षितिज श्रृंखला में पूर्व ज्ञान से जुड़े भाषाई कौशल और लीप फॉर वर्ड संस्था के सहयोग से प्रकाशित टीचर्स हीरो पुस्तक में अंग्रेजी साक्षरता के नवाचरों को स्थान मिला है डिजिटल गवर्नेंस में भी किया उत्कृष्ट कार्य ओमप्रकाश ने सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) शिक्षक के रूप में एमपी एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर प्रोफाइल मैपिंग, ई-सर्विस बुक और छात्रवृत्ति से जुड़े कार्य भी किए इन कार्यों को शत-प्रतिशत त्रुटिहीन पूरा कर उन्होंने स्कूल शिक्षा विभाग में डिजिटल गवर्नेंस के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान दिया।

संक्षिप्त समाचार

सीहोर में बाइक चोरी की तीन वारदातें सुलझीं



सीहोर मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। सीहोर में वाहन चोरों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रेहटी थाना पुलिस ने बाइक चोरी की तीन अलग-अलग वारदातों का खुलासा किया है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से चोरी की तीन मोटरसाइकिलें बरामद हुई हैं, जिनकी कुल कीमत करीब 1 लाख 5 हजार रुपए बताई गई है।

संदिग्धों से पूछताछ में सामने आईं तीन वारदातें: अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चौबे और एसडीओपी बुदनी रवि शर्मा के निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक हिमलेन्द्र पटेल के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई थी। टीम ने संदिग्धों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने खनपुरा खेड़ा निवासी छोट्ट उर्फ सुमित (24) और मंहेश (20) को पकड़ा। पूछताछ में दोनों ने बनियागांव, एक स्थानीय ढाबे और प्रतापपुरा क्षेत्र से मोटरसाइकिल चोरी करने की बात स्वीकार की।

आरोपियों की निशानदेही पर बाइक बरामद: पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर तीनों चोरी की गई मोटरसाइकिलें बरामद कर ली हैं। बरामद वाहनों की कुल कीमत करीब 1.05 लाख रुपए है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज किया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

स्कूल जा रही छात्रा को बस ने मारी टक्कर



सिवनीमीडिया ऑडीटर, (निप्र)। सिवनी जिले के केवलारी विकासखंड में शनिवार को एक हादसा हो गया। ग्राम टाली से छिंदी हाई स्कूल जा रही 16 साल की छात्रा को सत्यम बस ने टक्कर मार दी। इस हादसे में छात्रा बस के टायर की चपेट में आकर घायल हो गई। दुर्घटना के बाद मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। घायल छात्रा को तुरंत सिविल अस्पताल केवलारी ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल सिवनी रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, ग्राम टाली की रहने वाली प्रांशु अन्दवान (16), पिता शिवदास अन्दवान, रोज की तरह अपने घर से छिंदी हाई स्कूल जा रही थी। छिंदी बाजार चौक और पानी की टंकी के बीच सामने से आ रही सत्यम बस (MP 22 P 0340) ने उसे टक्कर मार दी। बताया गया है कि छात्रा बस के टायर की चपेट में आने से घायल हुई।

राष्ट्रीय पोषण माह का 9 सितंबर से होगा शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। भारत सरकार, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार 9वें राष्ट्रीय पोषण माह- का आयोजन 9 सितंबर से किया जाएगा। इस वर्ष राष्ट्रीय पोषण माह की मुख्य थीम 'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' के विचारित की गई है। पोषण माह के दौरान बच्चों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं, किशोरी बालिकाओं तथा उनके परिवारों में पोषण, स्वास्थ्य एवं प्रारंभिक बाल विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न स्तरों पर व्यापक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इस अवसर पर 9 सितंबर को इंदौर संभाग में राज्य स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास विभाग की के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया है। भारत सरकार के निर्देशानुसार राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम के समापन के उपरंत पूर्वाह्न 11 बजे के बाद राष्ट्रीय पोषण माह की गतिविधियों का औपचारिक शुभारंभ किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक समन्वय स्थापित कर तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। पोषण माह की गतिविधियों की रूपरेखा इसकी मुख्य थीम तथा निर्धारित पांच प्रमुख विषयों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है।

बानापुरा में सड़क खुदाई से कारोबार प्रभावित

बस स्टैंड तक जगह-जगह गहरे गड्ढे; ग्राहक और वाहन चालक रास्ता बदलने को मजबूर



मीडिया ऑडीटर,सिवनी (निप्र)। सिवनी मालवा की उपनगरी बानापुरा से बस स्टैंड तक सड़क की खुदाई के बाद दुकानदारों की परेशानी बढ़ गई है। सड़क के एक हिस्से में जगह-जगह गहरे गड्ढे होने से दुकानों तक पहुंचना मुश्किल हो गया है। बारिश में गड्ढों में पानी भरने से पैदल चलने वालों और दोपहिया वाहन चालकों को भी परेशानी हो रही है। व्यापारियों का कहना

है कि ग्राहक रास्ते की खराब हालत देखकर दुकानों तक नहीं पहुंच रहे हैं, जिससे कारोबार प्रभावित हो रहा है। **दुकानों के सामने गहरे गड्ढे:** बानापुरा से सिवनी मालवा बस स्टैंड तक विकास कार्य के लिए सड़क की एक तरफ खुदाई की गई है। दुकानदारों के मुताबिक, दुकानों के सामने ही गहरे गड्ढे होने से ग्राहकों को अंदर आने में परेशानी होती है। कई बार लोग और

वाहन चालक गड्ढों में गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं।

ग्राहक कम पहुंचे तो व्यापार पर असर: दुकानदार साहिल ने बताया कि सड़क पहले से खराब थी, लेकिन खुदाई के बाद स्थिति और बिगड़ गई। वाहन चालक इस रास्ते पर आने से बच रहे हैं। इससे दुकानों पर ग्राहकों की संख्या कम हो गई है। छोटे दुकानदारों का कहना है कि रोजी-रोटी दुकान के कारोबार पर

निर्भर है, ऐसे में लगातार कम होती ग्राहकों की आवाजाही चिंता बढ़ रही है।

बारिश में गड्ढों में भर जाता है पानी: व्यापारियों के मुताबिक, बारिश के दौरान सड़क के गड्ढों में पानी भर जाता है। इससे गड्ढों की गहराई दिखाई नहीं देती और हादसे का खतरा बढ़ जाता है। पैदल राहगीरों के साथ दोपहिया वाहन चालकों को भी निकलने में दिक्कत होती है।

बारिश के 10 दिन बाद काम शुरू होने की बात

विगत दिनों नगर पालिका अध्यक्ष ने एमपीआरडीसी के अधिकारियों और ठेकेदार के मैनेजर के साथ बैठक की थी। बैठक में बताया गया था कि बारिश बंद होने के करीब 10 दिन बाद सड़क निर्माण का काम दोबारा शुरू किया जाएगा। गर पालिका अध्यक्ष ने यह भी कहा था कि नगर में नाली और पुलिया का निर्माण पूरा होने तक नगर पालिका सड़क को हैंडओवर नहीं लेगी। ऐसे में सड़क निर्माण कब पूरा होगा, इसे लेकर व्यापारियों और आम लोगों में असमंजस बना हुआ है।

दुकानों तक सुरक्षित रास्ता देने की मांग

व्यापारियों का कहना है कि सड़क निर्माण जरूरी है, लेकिन काम के दौरान दुकानों तक पहुंच पूरी तरह बंद नहीं होनी चाहिए। उन्होंने गड्ढे भरने और दुकानों तक सुरक्षित आवागमन की अस्थायी व्यवस्था करने की मांग की है, ताकि निर्माण पूरा होने तक कारोबार प्रभावित न हो।

सागर में 48 घंटे से रुक-रुककर बारिश: राजघाट बांध 513 मीटर तक भरा

पूरी क्षमता के लिए 2 मीटर पानी और चाहिए; सीजन का 63.56% कोटा पूरा

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)।सागर जिले में पिछले 48 घंटे से रुक-रुककर बारिश हो रही है। शुक्रवार दिनभर बारिश के बाद रात में झमाझम पानी गिरा। ग्रामीण इलाकों में भी बारिश हुई। सागर शहर में आधा इंच से अधिक बारिश दर्ज की गई। खुरद, रहली और जैसीनगर में करीब एक इंच पानी गिरा। राहतगढ़, केसली, मालथौन, बीना और गढ़ाकोटा में करीब आधा इंच बारिश हुई है। लगातार बारिश से सागर के राजघाट बांध का जलस्तर भी बढ़ा है। बांध अब 513 मीटर तक भर चुका है। पूरी क्षमता तक पहुंचने के लिए अभी करीब 2 मीटर पानी की जरूरत है। शनिवार सुबह आसमान में



बादल छाप हुए हैं और रिमझिम बारिश का दौर जारी है।

अगले 24 घंटे बादल और बारिश के आसार: मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे जिले में बादल

छाप रह सकते हैं। कुछ स्थानों पर मध्यम बारिश, जबकि कुछ हिस्सों में बौछारें पड़ने की संभावना है। बारिश का दौर जारी रहने से बांध के जलस्तर में और बढ़ोतरी हो सकती है।

सीजन की बारिश का 63.56% कोटा पूरा: सागर जिले में इस मानसून सीजन में अब तक औसतन 782.2 मिमी यानी 30.8 इंच बारिश दर्ज की गई है। पिछले साल 5 सितंबर तक 1058.3 मिमी यानी 41.7 इंच बारिश हो चुकी थी। इस हिसाब से इस वर्ष अब तक पिछले साल की तुलना में 26.09% कम बारिश हुई है। जिले की सामान्य औसत बारिश 1230.5 मिमी यानी 48.4 इंच है। इसके मुकाबले अब तक 63.56% बारिश हो चुकी है। सामान्य औसत तक पहुंचने के लिए सीजन के शेष दिनों में अभी करीब 17.6 इंच औसत बारिश की जरूरत है।

जन्माष्टमी पर बारिश का मौसम, दिनभर छाए बादल

वैज्ञानिक बोले- अगले दो दिन ऐसा मौसम रहेगा

खंडवा,एजेंसी। खंडवा में शुक्रवार को दिनभर बादल छाए रहे और बारिश होती रही। रुक-रुककर हल्का और तेज पानी गिरता रहा लेकिन बारिश की स्थिति कमजोर रही। मौसम विभाग की माने तो अगले दो दिन और ऐसा ही मौसम रहेगा।

इस पूरे हफ्ते सामान्य से हल्की बारिश के आसार है: खंडवा सहित प्रदेश के उत्तरी क्षेत्र में लंबी खेंच के बाद बरसात हो रही है। बारिश का मौसम गुरुवार रात से बना है। रात में बूंदबांदी हुई थी, बादल छाए रहे। सुबह के वक्त फिर से हल्की बारिश का दौर शुरू हुआ। इसके बाद रुक-रुककर पानी गिरने लगा। दोपहर में तीन से चार दफा तेज पानी गिरा फिर बारिश थम गई। जन्माष्टमी जैसे त्योहार पर बारिश से किसानों को राहत मिली है। किसानों के मुताबिक, रिमझिम



बारिश ने सोयाबीन फसल को संजीवनी दी है। फसल इस समय फलन की स्थिति में है। बारिश की लंबी खेंच और पानी की कमी के चलते फसलें धूप ले रही थी। स्थिति कमजोर हो सकती थी। हालांकि, बारिश ने फिर उम्मीद जताई है अन्यथा दाना बारीक रहने की आशंका थी। गमी और उमस के कारण कपास, मक्का और मिर्ची की फसलों पर वायरस का प्रकोप मंडरा रहा था। अब नमी होने से कीटाणुनाश दवाओं का छिड़काव भी

असरकारक होगा। **वैज्ञानिक बोले- अगले दो दिन ऐसा ही मौसम रहेगा:** भोपाल स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. पीके साहा के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी से एक्टिव हुए सिस्टम से बारिश हो रही है। सिस्टम तो मजबूत है लेकिन काफी ऊपरी सतह पर है। इसलिए बारिश का असर कम है और हल्की बरसात हो रही है। ऐसा ही मौसम अगले दो-तीन दिन तक रहेगा। जिसके चलते रुक-रुककर बारिश होती रहेगी।

रतलाम में कार से मिली 10 लाख की एमडी इग्स

इंदौर, खरगोन और बड़वानी के पांच युवक गिरफ्तार; सप्लाई नेटवर्क तलाश रही पुलिस



मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 100 ग्राम एमडी इग्स जन्त की है। रिगंदोद थाना चौकी ढोहर पुलिस ने मह-नीमच फोरलेन पर सर्किट हाउस के सामने घेराबंदी कर इको कार को रोका। तलाशी के दौरान कार से 100 ग्राम एमडी इग्स बरामद हुई, जिसकी कीमत करीब 10 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने कार में सवार पांच युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपी इंदौर, खरगोन और बड़वानी जिले के रहने वाले हैं। पुलिस अब इग्स के स्रोत, सप्लायर और संभावित खरीदारों के बारे में पूछताछ कर रही है।

मुखबिर् की सूचना पर फोरलेन पर घेराबंदी: जावरा एसडीओपी संदीप मालवीय ने बताया कि शुक्रवार को मुखबिर् से सूचना मिली थी कि कुछ लोग इको कार क्रमांक 009-ङ्ग 7430 में एमडी इग्स लेकर जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने एनडीपीएस एक्ट के

प्रावधानों का पालन करते हुए ढोहर में मह-नीमच फोरलेन रोड पर सर्किट हाउस के सामने घेराबंदी की।

कार की तलाशी में मिली 100 ग्राम एमडी: पुलिस ने संदिग्ध इको कार को रोककर तलाशी ली। कार से 100 ग्राम अवैध एमडी इग्स बरामद हुई। पुलिस ने मादक पदार्थ के साथ घटना में इस्तेमाल इको कार को भी जब्त कर लिया। कार में सवार पांचों युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने कार्रवाई का खुलासा शनिवार दोपहर किया।

● पांचों आरोपी इंदौर, खरगोन और बड़वानी के:

पुलिस ने मामले में फारुख (33) पिता शबदर खान मेवाती निवासी बामन्दा, थाना बलकवाड़ा, जिला खरगोन; अरबाज (26) पिता कलीम खान पटान निवासी अग्रवाल कोलौनी, राऊ, जिला इंदौर; साहिल (25) पिता फारुख शेख निवासी विजय पतैस कोलौनी, चोइशराम मंडी, इंदौर; इमरान (24) पिता शकील मंसूरी निवासी हॉस्पिटल चौक, अंजड़, जिला बड़वानी और शाहरुख (32) पिता शौकत रशीद मंसूरी निवासी फुटल तालाब, अंजड़, जिला बड़वानी को गिरफ्तार किया है। सप्लाई नेटवर्क को लेकर पूछताछ जारी : पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से एमडी इग्स के स्रोत, सप्लायर, संभावित खरीदार और पूरे सप्लाई नेटवर्क के संबंध में विस्तृत पूछताछ कर रही है। मामले में एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई है और आगे की जांच जारी है।

बैतूल में सामान्य बारिश से 18.4 इंच पीछे:अब तक 24.3 इंच बारिश

पिछले साल से 8.3 इंच कम; अगले 25 दिन में चाहिए 18.4 इंच पानी



तहसीलवार बारिश के आंकड़ों में चिचोली 838.6 मिमी यानी 33 इंच बारिश के साथ सबसे आगे है। घोड़ाडोंगरी में 796.7 मिमी, भीमपुर में 718.2 मिमी और मुलताई में 648.4

से 9 सितंबर तक हर दिन बारिश या गरज-चमक की संभावना है। 5 सितंबर को बादल छाए रहने के साथ गरज-चमक के साथ बारिश

हो सकती है। 6 से 9 सितंबर तक भी बारिश और गरज-चमक का दौर जारी रहने का अनुमान है।

►►सामान्य बारिश के लिए रोज 18.7 मिमी पानी जरूरी:◄◄

मौजूदा पूर्वानुमान को देखते हुए अगले पांच दिनों की बारिश से जिले की सामान्य औसत 1083.9 मिमी बारिश पूरी होना मुश्किल है। सामान्य औसत तक पहुंचने के लिए अगले 25 दिनों में करीब 467 मिमी यानी 18.4 इंच अतिरिक्त बारिश की जरूरत होगी। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए सितंबर के बाकी दिनों में रोज औसतन करीब 18.7 मिमी बारिश होना जरूरी है। अगले कुछ दिनों में बारिश होने से कमी जरूर कम हो सकती है, लेकिन सामान्य औसत तक पहुंचने के लिए लगातार अच्छी बारिश जरूरी होगी।

►►तहसीलवार बारिश एक नजर में:◄◄

सितंबर की बारिश पर रहेगी नजर :मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक इस साल मानसून पर अलनीनो का असर भी देखने को मिल रहा है। अलनीनो के कारण मानसून कमजोर पड़ने का जोखिम बढ़ जाता है।

एशियाई खेलों से पहले भारत और जापान के बीच होगा पहला ऐतिहासिक T20I मुकाबला



नई दिल्ली । भारत-जापान राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम 22 सितंबर को जापान के खिलाफ पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलेगी। भारत 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में भी हिस्सा लेगा। जापान के खिलाफ सानो में होने वाला यह टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला एशियाई खेलों से पहले भारतीय टीम को महत्वपूर्ण मैच अयास देगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (BCCI) ने एक बयान में कहा, 'जापान क्रिकेट संघ और बीसीसीआई को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि दोनों देशों की पुरुष टीम भारत-जापान राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के समारोह की शुरुआत के लिए एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलेगी।' दोनों टीमों तांघिमी प्रीफेचर के सानो इंटरनेशनल क्रिकेट मैदान में सुजुकी कप के लिए मुकाबला करेंगी। इस बयान में आगे कहा गया, 'यह मैच 'स्पॉट 75' पहल का पहला कदम होगा। यह पहल जापानी प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच शिखर वार्ता के दौरान हुए समझौते से शुरू हुई है। इसका उद्देश्य खेल के क्षेत्र में भारत और जापान के बीच लोगों के आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ावा देना है। इसमें 2036 में ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी करने की भारत की महत्वाकांक्षा को भी ध्यान में रखा गया है।' भारतीय टीम की कप्तानी श्रेयस अय्यर करेंगे जबकि टीम के प्रमुख खिलाड़ियों में उप-कप्तान तिलक वर्मा, संजु सैमसन और 15 वर्षीय किशोर वैभव सूर्यवंशी शामिल हैं। भारत एशियाई खेलों का गत चैंपियन है। टीम ने पिछले चरण में चीन के हांगझोउ में स्वर्ण पदक जीता था। अफगानिस्तान के खिलाफ फाइनल बारिश के कारण रद्द हो गया था और बेहतर टी20 अंतरराष्ट्रीय वरीयता के आधार पर भारत को विजेता घोषित किया गया था। नॉकआउट चरण में सीधे जगह पाने वाला भारत 28 सितंबर को क्वाटर फाइनल से अपने एशियाई खेलों के अभियान की शुरुआत करेगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि भारत-जापान मुकाबला क्रिकेट को अपना दायरा बढ़ाने और नए, अब तक अनछुए क्षेत्रों तक पहुंच बनाने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। सैकिया ने कहा, 'स्ट्रेण्ड्स इस ऐतिहासिक मौके का हिस्सा बनकर बेहद खुश है, जब भारतीय और जापानी पुरुष टीमें जापान में एक विशेष टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के लिए एक साथ उतरेगी। क्रिकेट के लिए यह एक महत्वपूर्ण क्षण है क्योंकि भारतीय टीम एक नए क्षेत्र में जा रही है और इससे जापान तथा पूर्वी एशिया में इस खेल को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाने का मौका मिलेगा।' उन्होंने कहा, 'भारत और जापान के बीच मजबूत संबंध हैं। हमें खुशी है कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में होने वाले समारोह में क्रिकेट भी शामिल होगा। इस मुकाबले को संभव बनाने के लिए हम जापान क्रिकेट संघ के प्रयासों के लिए उसका धन्यवाद करते हैं।' उन्होंने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट बोर्ड होने के नाते यह उसकी जिम्मेदारी है कि खेल को उसके पारंपरिक गढ़ों से बाहर निकालकर नए क्षेत्रों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा, 'स्ट्रेण्ड्स का मानना ​​है कि क्रिकेट का विकास उसके पारंपरिक क्षेत्रों से आगे भी होना चाहिए। दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट बोर्ड के रूप में हम इस विकास में योगदान देने की अपनी जिम्मेदारी को समझते हैं।' सैकिया ने कहा, 'OBCCI जापान में क्रिकेट को और मजबूत करने तथा आने वाले वर्षों में इस रिरते को और आगे बढ़ाने के लिए जापान क्रिकेट संघ के साथ मिलकर काम करेगा।' जापान क्रिकेट संघ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नाओकी मियाजी ने कहा, 'मौजूदा विश्व चैंपियन टीम को जापान में आमंत्रित कर पाना हमारे संघ के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है।' उन्होंने कहा, 'इस लक्ष्य की दिशा में हमारे साथ काम करने के लिए हम बीसीसीआई का धन्यवाद करते हैं। हम भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के जुनून का स्वागत करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। साथ ही हम क्रिकेट के प्रति उत्सुक स्थानीय जापानी लोगों को भी इस बेहद यादगार मौके पर हमारी टीम का मनोबल बढ़ाने के लिए आने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।'

खेल और शिक्षा जीवन बदल सकती है, ब्राजील फुटबॉल लीजेंड काफू ने युवा लड़कियों को दी सलाह



मुंबई । ब्राजील के दिग्गज फुटबॉलर रहे और टीम को 2 बार विश्व चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले काफू ने शनिवार को मुंबई की जरूरतमंद युवा लड़कियों के साथ फुटबॉल फील्ड पर समय बिताया। उन्होंने युवा खिलाड़ियों को फुटबॉल के गुर बताने के साथ ही खेल और शिक्षा के जरिए अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। काफू ने मुंबई के 'डीमिंग इन स्लम्स फाउंडेशन' की लड़कियों के साथ समय बिताया। वह उनके साथ एक मैत्री मैच में शामिल हुए। यह फाउंडेशन जरूरतमंद शहरी समुदाय की युवा लड़कियों के साथ काम करता है, फुटबॉल का इस्तेमाल लाइफ स्किल्स, आत्मविश्वास और अवसर दूँदने के लिए करता है। यह प्रोग्राम छह से 16 साल की लड़कियों के लिए है। इस अवसर पर काफू ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'फुटबॉल बच्चों का बेहतर भविष्य बनाने में मदद करने में एक बड़ी भूमिका निभा सकता है। जो बच्चे फुटबॉल पढ़ते और खेलते हैं, उनके लिए मेरी राय है कि उन्हें इसी रास्ते पर चलते रहना चाहिए। खेल दुनिया में सामाजिक जुड़ाव के सबसे बड़े तरीकों में से एक है।' उन्होंने कहा, 'खेल आपको भविष्य, शिक्षा और समाजीकरण देता है। यह आपको बहुत सम्मान भी देता है। मुझे लगता है कि स्कूल और फुटबॉल का यह मैच एकदम सही है। बच्चे सामाजिक रूप से शामिल हो सकते हैं और ट्रेनिंग का सम्मान कर सकते हैं। ऐसा तरीका भविष्य के लिए बेहतर है।' युवा खिलाड़ियों से मिलने के बाद काफू खुश दिखे और उनके प्यार और सम्मान से प्रभावित हुए। उन्होंने कहा, 'यह बहुत बढ़िया था। मुझे ऐसा लग रहा है कि दुनिया मुझसे प्यार करती है। यह बहुत खुशी की बात है। मैंने उन बच्चों से प्यार और सम्मान महसूस किया, जिन्होंने मुझे खेलते हुए लगभग कभी नहीं देखा था। मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जिसे समझाया नहीं जा सकता।। मुझे

भारत ने इंडोनेशिया को 14-0 से रौंदकर किया धमाकेदार आगाज

मोकी,एजेसी। भारत की जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने AHF Junior Asia Cup 2026 में अपने अभियान की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की। शनिवार को Pool, के मुकाबले में पांच बार की चैंपियन और मौजूदा डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने इंडोनेशिया को 14-0 से करारी शिकस्त दी। कप्तान अनमोल एक्का, प्रभदीप सिंह और अजीत यादव ने मिलकर भारत के 14 में से 12 गोल दोगे।प्रभदीप ने दोगे 5 गोल, बने Player of the Match भारत की इस एकतरफा जीत के सबसे बड़े स्टार प्रभदीप सिंह रहे। उन्होंने मुकाबले में पांच गोल दोगे और Player of the Match का पुरस्कार अपने नाम किया। कप्तान अनमोल एक्का ने चार गोल किए, जबकि अजीत यादव ने हैट्रिक लगाई। हारपाल और आशु मौर्या ने एक-एक गोल करके भारत की जीत को 14-0 तक पहुंचाया।

पहले क्वार्टर में भारत ने बनाई 2-0 की बढ़त-भारत ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक रवैया अपनाया और लगातार इंडोनेशिया के सर्कल में दबाव बनाया। प्रभदीप ने पांचवें मिनट में गोल कर भारत का खाता खोला। इसके तीन मिनट बाद हारपाल ने भारत की बढ़त को 2-0 कर दिया। इंडोनेशियाई डिफेंस भारतीय फॉरवर्ड लाइन की रफ्तार और मूवमेंट का सामना नहीं कर सका। पहले क्वार्टर



के अंत तक भारत ने 2-0 की बढ़त बना ली।
दूसरे क्वार्टर में भारत ने दोगुनी की बढ़त-दूसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा जारी रहा। 16वें मिनट में इंडोनेशियाई डिफेंस की गलती के बाद भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे कप्तान अनमोल एक्का ने गोल में बदल दिया। इसके चार मिनट बाद अजीत यादव ने गोल कर भारत को 4-0 से आगे कर दिया।

इसके बाद प्रभदीप ने 26वें और 30वें मिनट में लगातार दो गोल दोगे और अपना हैट्रिक पूरा किया। हाफ टाइम तक भारत 6-0 से आगे था।
तीसरे क्वार्टर में भी नहीं थमा गोलों का सिलसिला- ब्रेक के बाद भी भारत ने इंडोनेशिया को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। भारतीय टीम ने गेद पर कब्जा बनाए रखा और लगातार आक्रमण किए।

BCCI का बड़ा फैसला जसप्रीत बुमराह को टेस्ट क्रिकेट में वापसी से पहले खेलना होगा रेड-बॉल मुकाबला

नई दिल्ली । भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की टेस्ट क्रिकेट में वापसी से पहले BCCI कोई जोखिम नहीं लेना चाहता। नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले चयनकर्ता चाहते हैं कि बुमराह किसी प्रतिस्पर्धी रेड-बॉल मुकाबले में अपनी फिटनेस और मैच लय साबित करें। यही वजह है कि उन्हें रणजी ट्रॉफी में खेलने के लिए कहा जा रहा है। अगर घरेलू मुकाबला संभव नहीं होता है तो इंडिया ए के साथ रेड-बॉल मैच भी विकल्प हो सकता है।बुमराह को रणजी ट्रॉफी खेलने पर क्यों दिया जा रहा जोर BCCI की चयन समिति, जिसकी अगुआई अजीत अगरकर कर रहे हैं, बुमराह की वापसी को लेकर बेहद सतर्क है। तेज गेंदबाज के लिए टी20 के चार ओवर और टेस्ट क्रिकेट में लगातार कई दिनों तक लंबे स्पेल डालने की शारीरिक मांग बिल्कुल अलग होती है। बुमराह लंबे समय से रेड-बॉल क्रिकेट से दूर रहे हैं और इस दौरान उनका फोकस छोटे फॉर्मेट तथा फिटनेस पर रहा है। ऐसे में चयनकर्ता चाहते हैं कि टेस्ट टीम में सीधे शामिल करने से पहले वह वास्तविक मैच परिस्थितियों में गेंदबाजी करें।

चोट की पुरानी समस्या भी बड़ी वजह-

बुमराह के मामले में सबसे बड़ी चिंता उनकी चोंचों का इतिहास है। उनके घुटने की सर्जरी हो चुकी है और ऐसे में पांच दिन के टेस्ट मैच में लगातार गेंदबाजी का भार उनके शरीर पर कितना असर डालता है, इसे लेकर BCCI पूरी तरह आश्वस्त होना चाहता है।

Centre of E&cclence में बुमराह के लिए मैच जैसी परिस्थितियों में अभ्यास कराया गया है, लेकिन चयनकर्ताओं के मुताबिक असली मुकाबले का दबाव और शारीरिक चुनौती अलग होती है। खासकर टेस्ट क्रिकेट के तीसरे या

चौथे दिन लंबे स्पेल में गेंदबाजी करना किसी भी तेज गेंदबाज के लिए बड़ी परीक्षा होती है।
लगभग 10 महीने से रेड-बॉल क्रिकेट से दूर-बुमराह 2025 के आखिर से लंबे प्रारूप के क्रिकेट से लगभग 10 महीने दूर रहे हैं। इस दौरान उनका शरीर मुख्य रूप से छोटे फॉर्मेट की गेंदबाजी के अनुरूप रहा है। टी20 में कुछ ओवर गेंदबाजी करने के बाद टेस्ट क्रिकेट में अचानक 15-20 या उससे ज्यादा ओवर के स्पेल डालना तेज गेंदबाज के शरीर के लिए बड़ा बदलाव होता है।

US Open में सबालेंका के मैच के दौरान ड्रामा, भांग की गंध से परेशान होकर रोका

न्यूयॉर्क । US Open 2026 में वर्ल्ड नंबर-1 Aryna Sabalenka ने Kamilla Rakhimova को सीधे सेटों में हराकर अगले दौर में जगह बना ली। हालांकि, मुकाबले के दौरान एक ऐसा वाक्या हुआ जिसने सभी का ध्यान खींच लिया। Louis Armstrong Stadium x’6 Cannabis की तेज गंध आने के बाद Sabalenka ने कुछ देर के लिए खेल रुकवा दिया।3-0 की बढ़त के बीच Sabalenka ने S Open को खेला दो बार की डिफेंडिंग चैंपियन Sabalenka मुकाबले की शुरुआत में शानदार लय में थीं और पहले सेट में 3-0 की बढ़त बना चुकी थी। इसी दौरान उन्हें कोर्ट के आसपास Cannabis की तेज गंध महसूस हुई। Sabalenka सीधे चेयर अंपायर Eva Asderaki-Moore के पास पहुंचीं और इस मामले की शिकायत की। उन्होंने अंपायर से कहा, 'कोई Weed पी रहा है।' इसके बाद अंपायर ने अधिकारियों से बात की और Cannabis की गंध S Open के आयोजन स्थल के अंदर Smoking



बाद Sabalenka ने अपना फोकस बनाए रखा। उन्होंने Rakhimova को पहले सेट में 6-3 से हराया और दूसरे सेट में भी 6-4 से बाजी मार ली। इस जीत के साथ Sabalenka ने S Open में अपनी लगातार जीत का सिलसिला 16 मैचों तक पहुंचा दिया। वह अब टूर्नामेंट में लगातार तीसरे खिताब की तलाश में आगे बढ़ रही हैं।
'गंध को नजरअंदाज करना मुश्किल था'- मैच के बाद Sabalenka ने इस अजीब घटना पर बात करते हुए कहा कि गंध इतनी तेज थी कि उसे नजरअंदाज करना आसान नहीं था। उन्होंने कहा, 'जब आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे हों, तो बस इस तरह की गंध को संभालना थोड़ा मुश्किल होता है।' Sabalenka ने उम्मीद जताई कि दर्शक भी खिलाड़ियों को ध्यान में रखते हुए ऐसी चीजों को लेकर ज्यादा सतर्क रहेंगे। स्टेडियम के बाहर से आती है

Asian Games में क्रिकेट को नहीं मिलेगी स्पेशल व्यवस्था

IOA ने सुविधाओं पर रुख बना फ़िया

नई दिल्ली । क्रिकेट टीम के लिए Asian Games 2026 से पहले होटल और सुविधाओं को लेकर तस्बीर साफ हो गई है। Indian Olympic Association (IOA) ने क्रिकेट के लिए किसी भी तरह की विशेष व्यवस्था करने से इनकार कर दिया है। ऐसे में अब BCCI के सामने दो विकल्प हैं-या तो खिलाड़ियों को आयोजकों की ओर से तय अधिकारिक होटल में ठहराया जाए या फिर बोर्ड खुद उनके रहने, खाने और ट्रांसपोर्ट की पूरी व्यवस्था करे।

IOA ने क्रिकेट के लिए स्पेशल ट्रीटमेंट से किया इनकार-IOA ने साफ कर दिया है कि Asian Games में शामिल सभी 36 खेलों के खिलाड़ियों, कोचों और अधिकारियों के साथ समान व्यवहार किया जाएगा। क्रिकेट को अलग से सुविधाएं देने के लिए IOA आयोजकों पर दबाव नहीं बनाएगा।

IOA के CEO रघुम अय्यर ने बताया कि BCCI ने सुविधाओं का जायजा लेने के लिए एक एडवांस टीम जापान भेजने पर विचार किया है। उन्होंने कहा, 'OBCCI CEO हेमांग अमीन ने हमसे संपर्क किया था और हमारी अच्छी बातचीत हुई। वे सुविधाओं का आकलन करने के लिए जापान में एक एडवांस



टीम भेजने पर विचार कर रहे हैं। IOA को इससे कोई समस्या नहीं है। उनके आकलन के आधार पर वे तय कर सकते हैं कि उन्हें आयोजकों की सुविधाओं का इस्तेमाल करना है या अपनी व्यवस्था करनी है।'

BCCI के सामने होंगे दो विकल्प-IOA के मुताबिक, अगर BCCI को आयोजकों की ओर से दिए गए होटल और दूसरी सुविधाएं पर्याप्त नहीं लगती हैं, तो बोर्ड अपनी अलग व्यवस्था कर सकता है। हालांकि, ऐसी स्थिति में रहने, खाने, ट्रांसपोर्ट और खिलाड़ियों को समय पर मुकाबले के आयोजन स्थल तक पहुंचाने की पूरी जिम्मेदारी BCCI की होगी। अय्यर ने कहा, 'OBCCI और आयोजकों को

मिलकर सबसे बेहतर समाधान निकालना होगा। IOA सभी खेलों, खिलाड़ियों, कोचों और पूरी टीम के साथ समान व्यवहार करता है।'

क्रिकेट टीमों के लिए कौन से होटल तय किए गए हैं- Asian Games के आयोजकों ने भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के लिए तीन सितारा APA Hotel Nagoya Ekimae और महिला टीम के लिए चार सितारा Meitetsu Grand Hotel तय किया है। दोनों टीमों के लिए टिवन-शेरिंग व्यवस्था रखी गई है। हालांकि, रिपोर्ट्स के मुताबिक ये सुविधाएं भारतीय क्रिकेटरों के आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले पांच सितारा होटलों के स्तर की नहीं हैं।

कप्तान अनमोल एक्का ने 35वें और 42वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपने खाते में दो और गोल जोड़े। इसके बाद प्रभदीप ने तीसरे क्वार्टर के खत्म होने से पहले एक और गोल दागा। तीसरे क्वार्टर के बाद भारत 9-0 से आगे था।

आखिरी क्वार्टर में भारत ने दोगे 5 गोल-0मैच का चौथा क्वार्टर भारत के लिए सबसे ज्यादा उत्पादक रहा। अनमोल ने 51वें मिनट में गोल करके अपना चौथा गोल पूरा किया। इसके ठीक एक मिनट बाद प्रभदीप ने फिर गोल दागा और मुकाबले में अपने पांच गोल पूरे किए। अजीत यादव ने 53वें मिनट में दो गोल दागकर अपनी हैट्रिक पूरी की और भारत को 13-0 की विशाल बढ़त दिला दी। इसके बाद 59वें मिनट में आशु मौर्या ने पेनल्टी कॉर्नर से गोल कर स्कोर 14-0 कर दिया।

भारत ने 9 फील्ड गोल और 4 पेनल्टी कॉर्नर किए कन्वर्ट-भारत की आक्रामकता का अंदाजा उसके गोल वितरण से लगाया जा सकता है। टीम ने कुल 9 फील्ड गोल, 4 पेनल्टी कॉर्नर और 1 पेनल्टी स्ट्रोक से गोल किए। अनमोल एक्का ने तीन पेनल्टी कॉर्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदला, जबकि आशु मौर्या ने चौथे पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया।

भारत-पाकिस्तान महामुकाबले से पहले मिताली राज का टीम इंडिया को बड़ा



नियंत्रण होना चाहिए। मिताली ने कहा, 'हम इस बात को नियंत्रित नहीं कर सकते कि लोग बाहर क्या कहते हैं, लेकिन हम अपनी तैयारी, संवाद और दबाव में अपनी प्रतिक्रिया को नियंत्रित कर सकते हैं।'

भारत-पाकिस्तान मुकाबले का दबाव अलग होता है-मिताली राज ने माना कि भारत और पाकिस्तान की भिड़ंत सिर्फ एक सामान्य क्रिकेट मुकाबला नहीं होती। दोनों देशों के बीच प्रतिद्वंद्विता के कारण इस मैच के साथ भावनाएं, राष्ट्रीय गौरव और अतिरिक्त दबाव जुड़ा रहता है। हालांकि, उन्होंने खिलाड़ियों को मानसिक संतुलन बनाए रखने की सलाह दी।

'इस मुकाम तक पहुंचना कोई इत्तेफाक नहीं है'

स्मृति मंधाना की रिकॉर्ड तोड़ इनिंग पर बोले RCB के हेड कोच



नई दिल्ली । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के हेड कोच मलेलुन रंगराजन ने कहा कि भारतीय उप-कप्तान स्मृति मंधाना का महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली और सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली खिलाड़ी बनना उनके लगातार अनुशासन और अटूट स्टैडर्ड्स का सीधा नतीजा है। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में हांगकांग-चीन के खिलाफ महिला एशिया कप मैच में 124 रन की पारी खेलते हुए स्मृति ने सभी फॉर्मेट में पूर्व राष्ट्रीय कप्तान मिताली राज के 10,868 रनों के करियर रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया और महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गईं। स्मृति ने महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में मेग लैनिंग का रिकॉर्ड भी तोड़ा। 30 वर्षीय स्मृति महिला प्रीमियर लीग (WPL) में RCB की कप्तानी भी करती हैं, उन्होंने टीम को दो खिताब जिताए हैं और 35 पारियों में 1,023 रन बनाए हैं। रंगराजन ने फ्रेंचाइजी के एक बयान में कहा, 'स्मृति के बारे में जो बात सबसे खास है, वह सिर्फ उनके रन नहीं हैं - बल्कि इतने सलों से

हर सीरीज में अपने खेल के टॉप लेवल पर लगातार बने रहना है। मैंने देखा है कि खेल के बारे में उनकी समझ हर साल बेहतर होती गई है, एक बैटर या लीडर के तौर पर वह कभी एक जगह नहीं रक्कीं। इस मुकाम तक पहुंचना कोई इत्तेफाक नहीं है, यह लगातार अनुशासन और उन स्टैंडर्ड्स का नतीजा है जिन्हें वह हर दिन बनाए रखती हैं।' टीम के साथियों ने भी रंगराजन की बात से सहमत जताई और स्मृति की लीडरशिप और तैयारी को उनकी इस रिकॉर्ड-तोड़ उपलब्धि के पीछे अहम वजह बताया। भारत की सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर अरुंधति रेड्डी ने कहा, 'स्मृति हमेशा से ऐसी खिलाड़ी रही हैं जिन्हें एक खिलाड़ी और कप्तान, दोनों ही रूपों में आदर्श माना जा सकता है। जिस तरह से वह तैयारी करती हैं, जिस तरह से दबाव को संभालती हैं और अपने आस-पास के लोगों में जो आत्मविश्वास जगाती हैं, उससे टीम को बहुत फायदा होता है। यह रिकॉर्ड एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन हमारे लिए यह उस ईमान और लीडर की भी झलक है जो हमारा ड्रेमिंग रूम का हिस्सा है।'

किसानों की सेवा का त्यौहार है बलराम कृषि महोत्सव: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने भिंड जिले में हुए बलराम कृषि महोत्सव में वीसी से की सहभागिता

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भिंड की धरती जय जवान-जय किसान का सबसे अच्छा और सार्थक उदाहरण है। कभी डकैतों की समस्या से जूझने वाले इस क्षेत्र की पहचान उद्योग, रोजगार और कृषि से ही रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बलराम कृषि महोत्सव अन्नदाता किसानों की सेवा और इनके प्रति आधार व्यक्त करने का त्यौहार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को भिंड जिले में हुए बलराम कृषि महोत्सव को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कांफ्रेंसिंग से संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में मौजूद किसानों से कहा कि कृषि क्षेत्र आने वाले समय में प्रदेश की अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ और सबकी समृद्धि की सबसे बड़ी गारंटी बनने जा रहा है। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे दुध उत्पादन, अन्न उत्पादन, मछली पालन,



उद्यानिकी जिसमें भी उनकी रुचि है, एक नई शुरुआत के साथ आगे बढ़ें। हमारी सरकार फ़ैलड से लेकर फैक्ट्री तक हमेशा किसानों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी किसान इस बलराम कृषि महोत्सव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि धरती माता ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। अपने

होरे जैसी जमीन किसी को न बेचें। बल्कि अपने बच्चों को भी इसी पूंजी में परिश्रम और समर्पण का बीजरूपी निवेश करना सिखायें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि, पशुपालन और मछली पालन में भिंड तेजी से प्रगति कर रहा है। चंबल, सिंध और पड़ुज जैसी नदियों के पानी से सिंचित भिंड में बाजरा, गेहूं और सरसों

ख़ूब होती है। सरसों के उत्पादन में भिंड की अपनी अलग पहचान है। मुरैना-भिंड में प्रदेश की 50 प्रतिशत से ज्यादा सरसों की पैदावार होती है। मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि भिंड जिले के किसान अब प्राकृतिक खेती में भी रुचि ले रहे हैं। यहां 3 हजार से अधिक किसानों ने 1250 हेक्टेयर रकबे में प्राकृतिक खेती की है। यहां दुध संकलन में 31 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। लगभग 60 गौशालाओं में गौसेवा भी हो रही है। अब पांडवी गांव में स्वावलंबी गौशाला के लिए 5 हजार निराश्रित गौवंश के आश्रय की तैयारी की जा रही है। मछली पालन में भी यहां के प्रगतिशील लोगों ने नई तकनीक अपनाई है। भवथरा गांव में 25 लाख रुपए की लागत से आधुनिक मत्स्य पालन तकनीक लगाई गई है। जिससे 8 मीट्रिक टन मछली का उत्पादन हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार और किसान मिलकर एक नया इतिहास

रचेंगे। यहां के किसानों ने पशुपालन और मछली पालन में रुचि लेकर इतिहास रचने की शुरुआत कर दी है। सरकार हमेशा इनके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंचाई परियोजनाओं से भिंड की खेती-किसानी बदल रही है। उन्होंने कहा कि भिंड जिले को ऐतिहासिक पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ी परियोजना का लाभ मिलने जा रहा है। इससे यहां की खेती की तस्वीर बदल जाएगी। सिमार स्टॉप डैम का काम लगभग पूरा हो गया है। इससे 210 हेक्टेयर क्षेत्र की सिंचाई की सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि अटेर में कनेरा उद्घन सिंचाई परियोजना का काम जून 2027 तक पूरा किया जाएगा। इससे 96 गांवों की 15 हजार हेक्टेयर से ज्यादा जमीन सिंचित होगी। वर्तमान में राजघाट, चंबल और हर्सा नहर प्रणालियों से जिले में 1 लाख 62 हजार 381 हेक्टेयर जमीन सिंचित हो रही है।

सिन्धु विकास समिति ने किया शिक्षकों का सम्मान शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव : वक्ता
मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। समाजसेवी संस्था सिन्धु विकास समिति द्वारा सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन के जन्मदिन एवं शिक्षक दिवस के अवसर पर शनिवार को सिन्धी कॉलोनी स्थित अमर शहीद हेमू कालानी पार्क परिसर में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों के योगदान को याद करते हुए उनका सम्मान किया गया। समारोह में संस्था के पदाधिकारियों, समाजसेवियों और समाज के गणमान्य नागरिकों की मौजूदगी रही। कार्यक्रम की शुरुआत इष्टदेव भगवान श्री झूलेलाल जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण से हुई। इसके बाद अतिथियों का माल्यार्पण एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। संस्था संरक्षक मनोहर डियावानी ने स्वागत उद्बोधन दिया। मुख्य अतिथि निर्रण डियावानी ने कहा कि शिक्षक के मन में एक रचनाकार होता है, जो शिष्य से समाज, समाज से संस्कृति और संस्कृति से राष्ट्र निर्माण की दिशा तय करता है। समाजसेविका रेश्मानी मनवानी ने शिक्षक की महत्ता की मजबूत नींव बताते हुए कहा कि जिस प्रकार किसी भवन के लिए मजबूत नींव पड़नी है उसी प्रकार जीवन को सही दिशा देने के लिए शिक्षा आवश्यक है। डॉ. मोनिका खूबचंदानी ने कहा कि शिक्षक समाज की अनमोल धरोहर हैं। गुरुपूज पंजवानी ने कहा कि शिक्षा ही अन्य सभी व्यवस्थाओं के निर्माण का आधार है। वैज्ञानिक डॉक्टर, इंजीनियर कलाकार सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले लोगों के निर्माण में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। समाजसेवी छवि त्रिपाठी ने कहा कि कार्यक्रम का मंच प्रथम गुरु मां को समर्पित है क्योंकि मां ही बच्चे की पहली शिक्षक होती हैं। विजय जयरासी ने शिक्षकों से विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ संस्कार एवं नैतिक मूल्यों की जानकारी देने का आग्रह किया। इस अवसर पर निक्किता वाधवानी नीता जादवानी आंचल पांडे, वर्षा गेलानी, रचना पेठे, आकाश जयरासी, महेश वासवानी, जूली लाला, जयश्री तिवारी, नीलम वाधवानी, रूपा सतनामी और न्योति कोटवानी सहित शिक्षकों को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। अतिथियों का भी शॉल एवं स्मृति चिह्न से सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन संस्था अध्यक्ष विनोद गेलानी ने किया, जबकि आधार मार्गदर्शक गोपीचंद्र कापड़ी ने व्यक्त किया समारोह में संस्था के पदाधिकारी, समाजसेवी, मातृशालिका एवं समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए डॉ. राकेश अग्रवाल ने उपलब्ध कराई जीवनोपयोगी दवाइयां

करीब एक लाख रुपए की दवाइयां दीनदयाल शोध संस्थान के माध्यम से चित्रकूट भेजीं

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। चित्रकूट क्षेत्र में आई बाढ़ से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए सामाजिक संगठनों और समाजसेवियों द्वारा रहत कार्य लगातार किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आईएमए अध्यक्ष एवं वन बंधु परियोजना के अध्यक्ष डॉ. रणेश अग्रवाल ने बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए जीवनोपयोगी दवाइयां उपलब्ध कराईं। करीब एक लाख रुपए मूल्य की आवश्यक दवाइयां दीनदयाल शोध संस्थान के माध्यम से समाजसेवी जागृत कपूर के सहयोग से जरूरतमंद बाढ़ पीड़ितों तक भेजी गईं। बाढ़ जैसी आपदा के दौरान प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की आवश्यकता बढ़ जाती है। इसे ध्यान में रखते हुए डॉ. रणेश



अग्रवाल ने दवा प्रतिनिधियों के माध्यम से आवश्यक एवं उपयोगी दवाइयों की व्यवस्था कराई। इन दवाइयों को प्रभावित परिवारों तक पहुंचाने की व्यवस्था दीनदयाल शोध संस्थान के माध्यम से की गई।

इस पहल का उद्देश्य बाढ़ से प्रभावित ऐसे परिवारों को प्रारंभिक स्वास्थ्य सहायता उपलब्ध करना है जिन्हें आपदा के कारण सामान्य स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। रहत सामग्री के रूप में उपलब्ध कराई गई दवाइयां जरूरतमंद लोगों के लिए उपयोगी साबित होंगी। सेवा कार्य में डॉ. देवेश अग्रवाल एवं अधिवक्ता आभा अग्रवाल का भी विशेष सहयोग रहा। सहयोगकर्ताओं ने आपदा की इस घड़ी में बाढ़ पीड़ित परिवारों की सहायता को सामाजिक जिम्मेदारी बताते हुए रहत कार्य में योगदान दिया। डॉ. रणेश अग्रवाल और सहयोगियों को इस पहल को मानवीय संवेदना एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का उदाहरण माना जा रहा है। सभी सहयोगकर्ताओं ने भविष्य में भी जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए इसी तरह सेवा कार्य जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

एकेएस विश्वविद्यालय में आस्था, उल्लास और गुरु-परंपरा का संगम जन्माष्टमी पर मटकी फोड़, शिक्षक दिवस पर शिक्षकों का सम्मान खेल गतिविधियों में भी दिखा उत्साह

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। एकेएस विश्वविद्यालय, सतना में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एवं शिक्षक दिवस समारोह आस्था, उल्लास और गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। जन्माष्टमी के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में मटकी फोड़ कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस दौरान परिसर में उत्सव और उमंग का माहौल रहा। समारोह में कुलाधिपति बीपी सोनी ने शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए उनके समर्पित एवं अनुरूपणीय योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि भावी पीढ़ी के निर्माण और समाज व राष्ट्र को दिशा देने में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रो-



चौंसलर अनंत कुमार सोनी ने अपने संबोधन में कृतज्ञता और धैर्य को जीवन के महत्वपूर्ण गुण बताते हुए कहा कि व्यक्ति को जीवन में मिली उपलब्धियों के लिए सदैव आभारी रहना चाहिए। कठिन परिस्थितियों में धैर्य के साथ उनका सामना करना भी आवश्यक है। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीए चोपड़े, प्रो. आरएस त्रिपाठी, इंजीनियर आरके श्रीवास्तव, डीन

सर्वपल्ली राधाकृष्णन का स्मरण करते हुए शिक्षकों की भूमिका और उनके योगदान को रेखांकित किया गया। समारोह को जीवंत बनाने के लिए यूसीडीसी के मार्गदर्शन में शिक्षकों के लिए विभिन्न खेल गतिविधियां आयोजित की गईं। इनमें शिक्षकों ने उत्साह के साथ भाग लिया। विभिन्न खेलों के विजेताओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दीपक मिश्रा ने किया। फैकल्टी सदस्य शिवम पांडे ने भी संचालन में सहयोग किया। आयोजन में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की आस्था और शिक्षक दिवस की गरिमा का सुंदर संगम देखने को मिला। समारोह ने भारतीय संस्कृति, गुरु-शिष्य परंपरा, कृतज्ञता और शिक्षकों के प्रति सम्मान का संदेश दिया।

विन्ध्य चेम्बर ने चित्रकूट बाढ़ पीड़ितों को बांटी 11 लाख की राहत सामग्री

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। चित्रकूट क्षेत्र में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए विन्ध्य चेम्बर ऑफ कॉर्पोरेट एंड इंडस्ट्रियल, सतना ने रहत अभियान चलाकर करीब 11 लाख रुपए की रहत सामग्री एकत्रित कर बाढ़ पीड़ितों के बीच वितरित की। इस अभियान में सतना के विभिन्न व्यापारिक संगठनों, व्यापारियों और समाजसेवियों ने सहयोग प्रदान किया। चेम्बर द्वारा बाढ़ प्रभावित परिवारों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 32 प्रकार की घरेलू उपयोगी सामग्री से 800 रहत किट तैयार की गईं। इसके अलावा, बी-संख्या में बाल्टियां, साडियां, टी-शर्ट, बच्चों के कपड़े, शॉल, चंबल, ब्रेड-पाव, फल सहित अन्य आवश्यक सामग्री भी वितरित की गई। रहत सामग्री को 3 ट्रक और 7

कारों के माध्यम से चित्रकूट ले जाया गया। यहां रमघाट, क्योटा, लोसरहा सहित अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में परिवारों को रहत सामग्री उपलब्ध कराई गई। इसके साथ ही सतना क्षेत्र के रापौली, कुआं और सोहास गांवों में भी बाढ़ प्रभावित परिवारों को सहायता प्रदान की गई। रहत अभियान में जनरल मचैट एसोसिएशन, रेडीमेड वस्त्र व्यापारी संघ, सतना जिला शुगर एसोसिएशन, सेंट्रल सिंधी पंचायत, इलेक्ट्रिकल मचैट एसोसिएशन, अभियंता एवं वास्तुविद् संघ तथा युवा व्यापारी युवक मंडल कोठी सहित अन्य व्यापारियों और समाजसेवियों ने सहयोग दिया। विन्ध्य चेम्बर अध्यक्ष सतीश सुखेजा ने कहा कि प्राकृतिक आपदा के समय पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा होना समाज और व्यापार जगत की जिम्मेदारी है।

राहत से पुनर्बहाली की ओर चित्रकूट, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने संभाली जिम्मेदारी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। चित्रकूट में आई बाढ़ के बाद जनजीवन को तेजी से सामान्य स्थिति में लाने के लिए जिला प्रशासन सतना द्वारा रहत, पुनर्वास और पुनर्बहाली के कार्य लगातार जारी हैं। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस के निदेशन एवं आयुक्त रीवा संभाग के मार्गदर्शन में प्रशासनिक अधिकारी, जिला पंचायत का अमला, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा विभिन्न विभागों की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में सक्रिय हैं। बाढ़ का पानी उतरने के बाद सबसे बड़ी चुनौती सड़कों, घाटों, धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर जमा मिट्टी, सिल्ट, बालू और कचरे को हटाने की है। इसके लिए जेसीबी एवं अन्य संसाधनों की मदद से युद्धस्तर पर सफाई अभियान चलाया जा रहा है। भारत घाट मार्ग पर जेसीबी से मिट्टी हटाने का कार्य किया जा रहा है। वहीं भारत घाट में सफाई एवं धुलाई का



कार्य भी प्रारंभ हो चुका है। घाट को श्रद्धालुओं के खान योग्य बनाने के लिए जमा सिल्ट और बालू हटाई जा रही है। भारत घाट की सफाई में जनप्रतिनिधियों और प्रशासन ने मिलकर श्रमदान का संदेश दिया। जिला पंचायत सदस्य बरौंधा संजय सिंह और उनकी टीम ने घाट की सफाई का मोर्चा संभाला। टीम का उत्साह बढ़ाने के लिए अपर कलेक्टर विकास सिंह एवं सीईओ

सेवा कार्य एवं श्रमदान करेंगे। रविवार को जिले के शासकीय अधिकारी-कर्मचारी चित्रकूट पहुंचकर सेवा कार्य और साफ-सफाई के श्रमदान में शामिल होंगे। सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह ने सतीश अधिकारी-कर्मचारी को रविवार को प्रातः 9:30 बजे चित्रकूट में उपस्थित होकर स्वच्छता कार्य में श्रमदान करने की अपील की है। पर्यटन स्थलों पर भी विशेष सफाई अभियान बाढ़ के बाद धार्मिक और पर्यटन स्थलों को भी व्यवस्थित किया जा रहा है। आरोग्यधाम के आसपास जमा मिट्टी को समतल किया जा रहा है। तथा वैदेशी वाटिका में साफ-सफाई का कार्य चल रहा है। आरोग्यधाम मार्ग की भी सफाई की जा रही है। प्रमोद वन में सापुदायिक भवन के पास जमा कचरे को हटकर भराव

कराया जा रहा है। वहीं रामायणी कुटी मुख्य मार्ग से भी कचरा हटाने का कार्य जारी है। गोदावरी गुफ के अंदर बाढ़ से जमा हुई मिट्टी को भी हटाना जा रहा है। नयागांव में पुराने कार्यालय के सामने सड़क की सफाई कराई जा रही है। इन कार्यों का उद्देश्य प्रभावित क्षेत्रों को शीघ्र साफ-सुथरा कर आमजन और श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए सुगम बनाना है। राघव प्रयाग घाट पर भी साफ-सफाई का कार्य तेजी से कराया जा रहा है।



एसडीएम महिपाल सिंह गुर्जर और तहसीलदार कमलेश भट्टारिया द्वारा मौके पर पहुंचकर कार्य की निगरानी की जा रही है। प्रशासन का प्रयास है कि प्रमुख घाटों और धार्मिक स्थलों को प्राथमिकता के आधार पर व्यवस्थित किया जाए। चित्रकूट के बाढ़ प्रभावितों के लिए रहत गोदाम में प्राप्त सामग्री को व्यवस्थित कर जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाने की प्रक्रिया लगातार जारी है।